भाद्रपद कृष्ण पक्ष एकादशी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 48 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
21 अगस्त 2025 गुरुवार

आज का मौसम
26 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

पीएम, सीएम और मंत्री संविधान व कानून से ऊपर नहीं तो ये बवाल क्यों?

बुधवार यानि बीस अगस्त 2025 का दिन तब भारतीय संसदीय इतिहास को कलंकित करने वाले अध्यायों में शुमार हो गया जब विपक्षी दलों ने लोकसभा में प्रस्तुत 130 वें संविधान संशोधन विधेयक सहित 3 विधेयकों की प्रतियों को फाड़कर उसके टुकड़े इसे पेश करने वाले देश के गृहमंत्री अमित शाह की ओर उछाल दिए। कानून मंत्री किरन रिजिजू को सरेआम लोकसभा में धकियाया गया। सवाल यही है कि प्रस्तावित विधेयक की प्रतियां फाड़ना, अमित शाह पर फेंकना या कानून मंत्री रिजूजी को धक्का देना क्या संसदीय मर्यादाओं के अनुकूल है? सदन में विपक्ष के भारी हंगामें के बीच इन तीनों विधेयकों को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को सौंपने का फैसला हुआ और जेपीसी को शीतकालीन सत्र के पहले उस पर विचार करके अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। इस समिति में लोकसभा के 21 तथा राज्यसभा के 10 सांसद होंगे। 130 वें संविधान संशोधन विधेयक, जम्मू एवं कश्मीर राज्य पुर्नगठन अधिनियम तथा संघीय राज्य क्षेत्र संशोधन विधेयक 2025 में संशोधन के विधेयक का प्रावधान बिल्कुल साफ है। यानि पांच साल से ज्यादा सजा के प्रावधान वाले मामलों में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय और राज्य मंत्रियों को जेल जाने पर 30 दिन की मोहलत दी जाएगी। जमानत नहीं होने की दशा में उन्हें अपने ओहदे छोड़ने पड़ेंगे और जमानत होने या आरोपों से अदालतों द्वारा मुक्त होने की दशा में उनकी फिर से बहाली हो सकेगी। उपराज्यपाल, जमानत होने या बरी होने पर जम्मू- कश्मीर तथा संघ शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं होने वाले दिल्ली राज्य के मुख्यमंत्रियों या मंत्रियों को उनके पद पर बहाली से नहीं रोक सकेंगे। जम्मू और कश्मीर अधिनियम 2019 की धारा 54 में उपधारा (5 जोड़ने) का प्रस्ताव किया गया है। ऐसा ही संशोधन केंद्र शासित प्रदेशों और दिल्ली के लिए किया गया है जहां उपराज्यपाल काम करते हैं। प्रधानमंत्री को हटाने का हक राष्ट्रपति और अन्य सूबे के लिए राज्यपालों को दिया गया है।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

यक्ष प्रश्न यही है कि इस पर विपक्ष क्यों बवाल मचा रहा हैं ? राहुल गांधी को तो किसी से डर लगता नहीं। वे लोगों को सिखाते हैं न डरो न डराओ। फिर इस प्रस्तावित कानून में उन्हें कौन सा डर नजर आया। जिसके चलते विपक्षी दलों के सांसदों ने विधेयक के मसौदे को बारीकी से पढ़े बगैर उसकी प्रतियां फाड़कर गृह मंत्री अमित शाह की तरफ फेंक दीं। जबकि जेल जाने पर एनडीए सरकार ने तो खुद अपने पीएम यानि नरेंद्र मोदी सहित सभी केंद्रीय और राज्यों से सीएम और मंत्रियों के लिए पद छोड़ने का प्रस्ताव किया है। इनमें यदि कोई पीएम, सीएम या मंत्री नहीं, सिर्फ सांसद या विधायक है तो दो साल की सजा होने तक कानूनन उनकी सदस्यता को भी कोई खतरा नहीं है। फिर विपक्ष में इतनी खलबली क्यों? असदुद्दीन औवेसी तर्क दे रहे हैं कि जनता जिनको चुनती है, उनको इस तरह से प्रताड़ित करने का क्या औचित्य है? क्या औवेसी बताएंगें कि जनता पीएम, सीएम या मंत्रियों को इसलिए निर्वाचित करती हैं कि वो कोई भी गंभीर अपराध करते रहें और उन पर मुकदमा कायम होने की स्थिति में तीस दिन में जमानत नहीं होने पर भी वे पद पर बने रहें?

सरकारी मुलाजिम 24 घंटे के लिए जेल जाएं तो होता है तुरंत निलंबन

जब लाखों प्रतियोगियों के बीच से चुने गए अफसर या कर्मचारी 24 घंटे जेल में रहने पर सस्पेंड किए जा सकते हैं, तो पीएम सीएम या मंत्रियों के तीस दिन की मोहलत के बावजूद ओहदा छोड़ने पर विपक्ष को ऐतराज क्यों? सरकारी कर्मचारियों और अफसरों को तो उनकी पांच साल या इससे कम सजा वाले कानून में भी उनकी गिरफ्तारी होने के बावजूद निलंबन के नियम सरकार ने ही कानून के तहत बनाए हैं। यदि उनका निलंबन किया जा सकता है तो फिर प्रस्तावित संशोधन में मात्र प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री के ओहदे से निलंबन के प्रावधान पर ऐतराज की क्या वजह है। वैसे भी अभी तो दोनों सदनों के सदस्यों की समिति के विचार के बाद ही लोकसभा और राज्यसभा में इस पर विचार होना है। तो फिर इस बेचैनी का भला क्या सबब है? जेल में रहते हुए भी सीएम रहकर छह महीने तक जेल से सरकार चलाने वाले केजरीवाल पर सवाल उन्होंने क्यों नहीं किए? सिर्फ इसलिए क्योंकि वे उनके गठबंधन में शामिल थे? विपक्ष को समझना होगा कि नए भारत का नागरिक नादान नहीं। वो सबको देख रहा है और उसे सबको सबक़ सिखाना आता है।

क्या कांग्रेस सहित विपक्षी दल इंदिरा काल के 39वें संशोधन को भूल गए?

गौरतलब है कि 10 अगस्त 1975 को अधिनियमित भारतीय संविधान के 39 वें संशोधन ने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को भारतीय न्यायालयों की जांच से परे कर दिया था। इसे 1975-1977 के आपातकाल के दौरान इसी संसद में पारित किया गया था। यह संशोधन इलाहाबाद हाईकोर्ट व्दारा इंदिरा गांधी के चुनाव को रद्द करने के फैसले की काट के बतौर लाया गया था। इंदिरा गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले समाजवादी राजनारायण मिश्र ने इंदिराजी पर भ्रष्ट चुनावी आचरण का आरोप लगाते हुए याचिका पेश की थी। राजनारायण ने उन पर चुनाव के दौरान राज्य मशीनरी का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। इस पर हाईकोर्ट ने इंदिराजी की लोकसभा की सदस्यता समाप्त कर दी थी। यही नहीं, छह साल तक चुनाव लड़ने की पाबंदी भी लगाई और उन्हें प्रधानमंत्री का पद छोड़ने का आदेश दिया। इंदिरा गांधी ने 24 जून को ही हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील की। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। साथ ही छह महीने और प्रधानमंत्री पद पर बने रहने की अनुमति भी, लेकिन उन्हें सांसद के बतौर बहाल करने से इनकार कर दिया। इंदिरा गांधी को लगा कि यदि मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबा खिंचा तो उन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी गवांना पड़ेगी। सबको पता है कि इसके बाद ही इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को आपातकाल लगाया। इसके बाद ही उन्होंने 39वां संशोधन संसद में लागू कराके यह प्रावधान करा लिया कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव की भारतीय न्यायालय जांच तक नहीं कर सकते। इसके साथ संविधान में 42वां संशोधन करके अनुच्छेद 368 का खंड 4 और 5 शामिल किया गया। इसके मुताबिक इन संशोधनों को किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकेगी। हालांकि 1977 में कांग्रेस के सत्ता गवांने के बाद 39 वें संशोधन को हटा दिया गया था।

राजधानी की अगली 30 साल की जरूरतें पूरी करने वाली योजना

700 किमी का नया वाटर नेटवर्क बिछाने की सीएम ने की शुरुआत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज राजधानी के लिये महत्वाकांक्षी अमृत योजना-2.0 के कामों का भूमिपूजन किया। इसके तहत भोपाल की जलापूर्ति से जुड़े काम होंगे। पानी की 700 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन बिछेगी तो नई टंकियां, इंटकवेल और फिल्टर प्लांट बनाए जाएंगे। इसके तहत 30 हजार घरों में नल कनेक्शन भी दिये जाएंगे। कुशाभाऊ कन्वेंशन सेंटर में समारोहपूर्वक इन कामों की शुरूआत हुई। मुख्यमंत्री ने 582.32 करोड़ रुपए की लागत से जलापूर्ति संबंधी कार्यों एवं वार्डों में 50 अन्य विकास कार्य के लिए भूमिपूजन किया। उन्होंने नगर निगम के दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र, अभ्यार्थियों को नवीन नियुक्ति पत्र भी सौंपे व स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में भोपाल को उत्कृष्ट स्थान प्राप्त होने पर सफाई मित्रों का सम्मान भी किया। महापौर मालती राय, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, भाजपा जिलाध्यक्ष एवं एमआईसी मेंबर रविंद्र यति समेत कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

बताया जाता है कि इस योजना के तहत शहर में पानी की 36 बड़ी टंकियां, 4 फिल्टर प्लांट भी बनेंगे। यह योजना शहर की अगले 30 से 40 साल की जरूरतों के मान से तैयार की गई है। ताकि, आबादी के हिसाब से सिस्टम काम करता रहे। योजना के तहत 4 नए इंटकवेल भी बनेंगे।

मानसून सत्र समाप्त, बरसता रहा विपक्ष, महज 37 घंटे चर्चा

नई दिल्ली एजेंसी। लोकसभा का हंगामाई सत्र आज अंतिम दिन भी पूरा नहीं चल सका और समाप्त हो गया। इससे पहले भी यह विपक्ष के आक्रामक तेवरों के चलते कुछ देर स्थगित रहा। पीएम मोदी भी सदन में पहुंचे। इस बीच विपक्ष ने बिहार के एसआईआर मुद्दे पर चर्चा की मांग की व हंगामा किया। हंगामा न थमते देख सदन में राष्ट्रगीत बजाया गया व स्पीकर ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। सत्र की शुरुआत 21 जुलाई से हुई थी। दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को छोड़कर इस सत्र में बहुत कम कामकाज हुआ है। एक महीने लंबे सत्र के दौरान लोकसभा ने 12 और राज्यसभा ने 14 विधेयक पास किए। लेकिन बार-बार व्यवधान, स्थगन और बायकॉट जारी रहा। स्पीकर ओम बिरला ने बताया कि, सदन में 120 घंटे चर्चा का समय निर्धारित किया गया था सिर्फ 37 घंटे ही चर्चा हो सकी। विपक्षी सांसद बिहार एसआईआर पर चर्चा की मांग करते रहे। उनके विरोध और हंगामे के कारण दोनों सदनों में कार्यवाही नहीं हो सकी। हालांकि कल लोकसभा में अमित शाह ने तीन बिल पेश किए तो विपक्ष ने उसकी कॉपी फाड़कर कागज गृह मंत्री पर उछाली। हालांकि ऑनलाइन मनी गेम्स पर पूरी तरह से बैन लगाने वाले ऑनलाइन गेमिंग प्रमोशन और रेगुलेशन बिल, 2025 लोकसभा से पास हुआ।

चर्चित ड्रग्स मामला : तीन सप्ताह से सील थी कोठी

'मछलीघर' पर चला बुल्डोजर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के 'मछली' परिवार की कोठी पर आज फिर जिला प्रशासन ने बुल्डोजर लेकर 'दबिश' दी है। एसडीएम विनोद सोनकिया समेत जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम का अमला कोठी को जमींदोज कर रहा है। 23 दिन पहले अमले ने छह अवैध निर्माण तोड़े थे। बाद में नियमों के चलते कोठी को सील किया था, जिसे आज तोड़ा जा रहा है। ड्रग्स तस्करी के आरोप में यासीन और उसके चाचा शाहवर मछली के पुलिस के हत्थे चढ़ने के बाद अब इनके परिवार के अवैध निर्माण पर प्रशासन का बुलडोजर चल रहा है। बताया जाता है कि बीते कुछ दिनों में ऐसी संपत्ति के बारे में पता लगाया गया, जो अवैध या सरकारी जमीन पर बनी हों अथवा किसी ने छीनी गई हो। प्रशासन ने मछली परिवार की तीन मंजिला कोठी का कुछ सामान तो पिछली कार्रवाई में खाली करवा दिया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए प्रशासन ने नियमानुसार रियासत दी। ज्ञात हो कि हताईखेड़ा क्षेत्र में करीब 50 एकड़ सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने फॉर्म हाउस, वेयर हाउस, फैक्ट्री और मकान को तोड़ा गया था और इस दौरान कोठी को सील किया गया था। भोपाल पुलिस ने पिछले दिनों कॉलेज छात्राओं से जुड़े रेप-ब्लैकमेलिंग केस में शाहवर मछली और उसके भतीजे यासीन को गिरफ्तार किया था।

आगरा में ताजमहल तक पहुंची यमुना

नई दिल्ली/भोपाल दोपहर मेट्रो। मानसून ने देश के पश्चिमी हिस्से महाराष्ट्र और गुजरात में बारिश के कारण जन-जीवन अस्तव्यस्त कर दिया है। दोनों राज्यों में आज भी रेड अलर्ट है। उप्र में यमुना के कारण कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं, पानी ताजमहल तक पहुंच गया है। यहां 40 गांव अलर्ट पर हैं। मथुरा में यमुना नदी कटान के बाद अपना मूल रास्ता छोड़कर दो किमी दूर बह रही हैं। वहीं मध्यप्रदेश में अब तक औसत 32.4 इंच बारिश हो चुकी है, जो मानसूनी कोटे की 87 प्रतिशत है। प्रदेश से एक मानसून ट्रफ के गुजरने के चलते बुधवार को भी बारिश का दौर रहा। कई जिलों में पानी गिरा। वहीं, गुरुवार को नीमच,मंदसौर,शिवपुरी, डिंडौरी,अनूपपुर समेत 12 जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट है। नर्मदापुरम में तवा डैम के 13 में से 7 गेट आज भी खुले हुए हैं।

ट्रंप के टैरिफ को मूर्खता बता रहे अमेरिकी अर्थशास्त्री

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भले ही अपने रेसिप्रोकल टैरिफ के गुणगान करते नजर आते आ रहे हैं मगर अमेरिकी अर्थशास्त्री ही इसकी खुलकर आलोचना कर रहे हैं। खासतौर पर तब, जबकि अमेरिका ने भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी का टैरिफ ठोका है। इसे लेकर कोलंबिया यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्री और पूर्व संयुक्त राष्ट्र सलाहकार जेफरी सैश ने ट्रंप टैरिफ को अमेरिकी इतिहास का सबसे मूर्खतापूर्ण कदम करार दिया है। उन्होंने तीखी टिप्पणियां कीं और कहा कि यह कदम खु अमेरिका पर ही उलटा पड़ा है। क्योंकि इसने रातोरात ब्रिक्स समूह के देशों को अभूतपूर्व रूप से एकजुट कर दिया है।

मेट्रो एंकर | नामांकन दाखिल, उपराष्ट्रपति पद के लिए रोमांचक हुआ मुकाबला

सुदर्शन बोले-मैं थोड़ा नर्वस हूं...वे सड़कों को खामोश नहीं होने दे रहे

नईदिल्ली, एजेंसी

इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी,सुदर्शन रेड्डी आज अपना नामांकन दाखिल कर रहे हैं। उन्होंने समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया के चर्चित कथन - जब सड़क खामोश होती है, संसद आवारा हो जाती है... को दोहराया है तथा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा है कि राहुल सड़क को खामोश नहीं होने देते हैं और सरकारों को फैसले लेने पर मजबूर करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश रेड्डी ने नामांकन से पहले सांसदों से चर्चा की व कहा कि, मैं थोड़ा नर्वस हूं, थोड़ा उत्साहित भी हूं और रोमांचित भी, और मेरी खुशी का ठिकाना नहीं है। जब आप विभिन्न मुद्दों पर राष्ट्र को संबोधित करते हैं, तो मैं आप सभी को अपनी सीटों से सुनता रहता हूं। ज़्यादातर लोगों को फ़ॉलो करता हूं।

उन्होंने कहा, एक के बाद एक चुनौतियों का सामना करना राहुल गांधी का स्वभाव बन गया है,यह उनकी यात्रा का हिस्सा है, राहुल ने तेलंगाना सरकार को जाति जनगणना को व्यवस्थित तरीके से करने के लिए सफलतापूर्वक राजी कर लिया।

भारत के उपराष्ट्रपति का कार्यालय कोई राजनीतिक संस्था नहीं

रेड्डी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के एक साथी जज ने उनसे पूछा था कि वह राजनीतिक दलदल में क्यों जा रहे हैं। मगर उन्होंने जवाब दिया कि 1971 में एक वकील के तौर पर शुरू हुआ उनका सफर जारी है और मौजूदा चुनौती उसी सफर का हिस्सा है। रेड्डी ने जोर देकर कहा कि भारत के उपराष्ट्रपति का कार्यालय कोई राजनीतिक संस्था नहीं है. उल्लेखनीय है कि इंडिया ब्लाक के उम्मीदवार रेड्डी का मुकाबला सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से है। 9 सितंबर को होने वाले इस चुनाव से एक रोमांचक राजनीतिक मुकाबले की उम्मीद बन गई है।

हमले के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री को मिली जेड सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमले के बाद उनकी सुरक्षा व्यवस्था जेड केटेगरी की वीआईपी सुरक्षा प्रदान की गई है। सीएम सिक्योरिटी में 22 से 25 हथियारबंद जवान 24 घंटे तैनात रहेंगे। गुप्ता और उनके आधिकारिक आवास की सुरक्षा अर्धसैनिक बल का वीआईपी सिक्योरिटी ग्रुप करेगा। यह ग्रुप केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सोनिया-राहुल और प्रियंका गांधी की सुरक्षा में भी तैनात है। कल मुख्यमंत्री आवास पर साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान राजकोट के राजेशभाई नामक व्यक्ति ने रेखा गुप्ता पर हमला किया था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल, आईबी और अन्य खुफिया एजेंसियां मिलकर आरोपी से पूछताछ कर रही हैं।

राजधानी से उज्जैन का सीधा हवाई सफर फरवरी से होगा शुरू

आठ सीटों वाले विमान भरेंगे उड़ान

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भोपाल से उज्जैन के बीच सीधी हवाई सेवा शुरू होने वाली है। स्पिरिट एयर एयरलाइन फरवरी भोपाल- उज्जैन के बीच 8 सीटों वाले छोटे एयरक्राफ्ट के जरिये यह सेवा संचालित करेगी। बताया जाता है कि उज्जैन एयरपोर्ट भी छह महीने में तैयार हो जाएगा। उसके बाद यहां से भोपाल के लिए उड़ानें संचालित होंगी।

जानकारी के मुताबिक यह पहल केंद्र की उड़ान योजना और मप्र सरकार के सहयोग से शुरू हो रही है। उज्जैन के अलावा यह कंपनी नीमच, शिवपुरी, शहडोल, खंडवा और मंडला को भी भोपाल से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है। बाद में दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु और नेपाल (काठमांडू, जनकपुर) तक कनेक्टिविटी बढ़ाई जाएगी। खास बात यह है कि यात्रियों को घर से एयरपोर्ट तक पहुंचाने से लेकर गंतव्य तक ले जाने तक की पूरी जिम्मेदारी भी कंपनी लेगी। बताया जाता है कि स्पिरिट एयर बेंगलुरु की एक एयरलाइन है, जिसे एअर इंडिया के अनुभवी अधिकारियों ने शुरू किया है। कंपनी के पास 30 साल से ज्यादा का एविएशन के क्षेत्र का अनुभव है। इस योजना से न केवल हवाई यात्रा आसान होगी, बल्कि छोटे शहरों का विकास और रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे।

पहले भी काटे जा चुके हैं ग्यारह सौ पेड़

छह किमी की सड़क निर्माण के रास्ते में आ रहे कई और पेड़

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी में ग्यारह मील इलाके से बंगरसिया तक भोजपुर रोड पर 6 किमी की नई सड़क के लिए पेड़ बाधा बन रहे हैं। हालांकि दावा किया जा रहा है कि इन्हें बचाकर निर्माण होगा। लेकिन कई पर्यावरण प्रेमी इसे लेकर आशंकित हैं। इसके पहले भी पेड़ कटाई का जमकर विरोध हो चुका है। लेकिन प्रशासन का तर्क है कि यह सड़क भोजपुर तक का सफर सुगम बना देगी।

बताया जाता है कि 50 करोड़ रुपए के निर्माण से यह सड़क टू-लेन से फोरलेन में बदल जाएगी। इसके लिए करीब 1100 तो पेड़ काटे जा रहे हैं अभी भी बताया जाता है कि करीब सौ पेड़ और निर्माण की जद में आ रहे हैं। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की रोक के बाद इन्हें बचाया जाएगा। पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर संजय मस्के का कहना है कि पेड़ों को बचाते हुए सड़क बनाएंगे। यह सड़क निर्माण अब बारिश के बाद शुरू होगा। एक साल के अंदर सड़क पूरी तरह से बनकर तैयार हो जाएगी। हालांकि, फोरलेन किनारे कई लोग दुकान और होटलों के लिए भी पेड़ों की कटाई कर रहे हैं। ऐसे में जिला प्रशासन भी सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है।

पीडब्ल्यूडी अफसरों की माने तो इस सड़क को एक मॉडल के तौर पर तैयार करने की कोशिश हो रही है। सड़क में एफडीआर (फुल डेप्थ रिक्लेमेशन) टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा। इसका मतलब है कि मौजूदा सड़क के मटेरियल को रीयूज किया जाएगा। बताया जाता है कि डेप्थ रिक्लेमेशन (एफडीआर) एक रिसाइक्लिंग पद्धति है, जिसमें कम संसाधनों में टिकाऊ सड़कें बनाई जाती हैं। खराब हो चुकी पक्की सड़क को उखाड़कर उससे निकले मटेरियल में केमिकल मिलाया जाता है, जिससे नया मटेरियल तैयार किया जाता है। इसे फिर सड़क निर्माण में उपयोग किया जाता है। इससे लागत भी कम आती है।

खराब हालात में सड़क

वर्तमान में 11 मील से बंगरसिया तक की सड़क की हालत काफी खराब है। यह सड़क धार्मिक नगरी भोजपुर को जोड़ती है। हर रोज हजारों लोग इस खराब सड़क से गुजरने के कारण परेशान होते हैं। बारिश के चलते सड़क की स्थिति काफी जर्जर है। बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं। जबड़ भी कोई धार्मिक अवसर या त्योहार आदि होता है तब इस सड़क पर वाहनों का दबाव जबर्दस्त तरीके से बढ जाता है और लंबे समय तक जाम के हालात हो जाते है। यह सड़क भोजपुर मंदिर तक जाती है जो सबसे बड़ा शिवलिंग है। यहां हर साल भोजपुर महोत्सव आयोजित होता है, वहीं ग्यारह मील से बंगरसिया तक सड़क बनने से रायसेन, विदिशा, बैतूल समेत कई जिलों के लोगों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

सुल्तानिया को नया स्वरूप देने की कोशिश, डेढ़ साल में बनेगा नया भवन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी के पुरानी पहचान यानी सुल्तानिया अस्पताल को अब एक नए स्वरूप में विकसित करने की कवायद तेज की जा रही है ताकि इस अस्पताल पर निर्भर स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिले। हालांकि यहां आसपास के गांव शहरों से भी लोग इलाज के लिये आते हैं। अब तक पुराने सुल्तानिया अस्पताल में जगह और संसाधनों की कमी के चलते लंबे समय से मरीजों को कठिनाई होती थी। नए अस्पताल भवन के बन जाने से इन समस्याओं का समाधान होगा। विशेषकर मातृत्व और शिशु देखभाल, डायलिसिस व आपातकालीन सेवाएं और अधिक सुलभ और आधुनिक होंगी।

इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा ने निर्माणाधीन नवीन सिविल अस्पताल सुल्तानिया का निरीक्षण किया व विभिन्न ब्लॉकों में चल रहे कार्यों का जायजा लिया। निर्माण एजेंसी को तय समय सीमा के भीतर काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान मध्यप्रदेश बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के असिस्टेंट जनरल मैनेजर संजय श्रीवास्तव, प्रबंधक अभिषेक तिवारी और उपयंत्री हेमंत पटेरिया मौजूद रहे।

अभी डेढ वर्ष और लगेगा : दरअसल गत वर्ष जनवरी में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य लगभग 30 महीने की समय सीमा में पूरा किया जाना है। 136.49 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह नया अस्पताल 28,194 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला होगा। पुराने सुल्तानिया अस्पताल की जगह पर खड़ा हो रहा यह भवन न केवल आकार में बड़ा होगा, बल्कि सुविधाओं के लिहाज से भी अत्याधुनिक होगा। अस्पताल को तीन ब्लॉकों में बांटा गया है। ब्लॉक-ए और ब्लॉक-बी फिनिशिंग स्टेज पर पहुंच चुके हैं। ब्लॉक-सी में अभी कार्य शेष है। अधिकारियों का कहना है काम की रफ्तार को देखते हुए समय पर प्रोजेक्ट पूरा हो सकता है।

यह नया सिविल अस्पताल बहुआयामी : चिकित्सा सुविधाओं से लैस होगा। इसमें मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, मेटरनिटी विंग, नियोनेटल आईसीयू, डायलिसिस यूनिट, ओपीडी और आईपीडी जैसी सुविधाएं होंगी। साथ ही ऑर्थोपेडिक एवं सर्जिकल वार्ड (मेल), पीडियाट्रिक वार्ड, आइसोलेशन यूनिट, आईसीयू, फिजियोथैरेपी और मोर्चरी भी स्थापित की जा रही हैं।

परीक्षा के लिए अपार आईडी अनिवार्य नहीं

भोपाल, दोहपर मेट्रो

नौंवी से बारहवीं तक की परीक्षा में शामिल होने वाले हजारों स्टूडेंट को माध्यमिक शिक्षा मंडल ने राहत दी है। इन्हें परीक्षा में शामिल होने के अपार आइडी इस साल अनिवार्य नहीं होगी। यह आइडी न होने पर भी उनका रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। वर्ष 2026-27 में यह अनिवार्य होगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने सभी जिलों को निर्देश जारी किए हैं। नौंवी और ग्यारहवीं के स्टूडेंट का रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है। दोनों कक्षाओं में करीब 18 लाख स्टूडेंट हैं। इसके लिए सितंबर तक प्रक्रिया जारी रहेगी। रजिस्ट्रेशन के लिए प्रदेश के सभी स्कूलों को निर्देश जारी किए। इस निर्देश में हर स्टूडेंट के लिए अपार आईडी अनिवार्य की गई थी। स्कूलों से कहा गया था कि वे दस्तावेज जमा करा आइडी तैयार करें। नतीजा ये हुआ जिन बच्चों के दस्तावेजों में त्रुटियां हैं उन्हें परेशानी आई। दस्तावेज सुधार के लिए राजधानी के आधार सेवा केन्द्र से लेकर जन्म प्रमाण-पत्र शाखा और लोक सेवा केन्द्रों में आवेदनों की संया बढ़ गई। कामकाज छोड़ लोग इसी में लगे हुए हैं। अपार आईडी 12 अंकों का यूनिक नंबर है।

जल निकासी की समस्या से जूझ रहे लोग

स्वदेश नगर, पंत नगर, सुन्दर नगर, एकतापुरी, सौभाग्य नगर व सुभाष सहित दर्जनों कॉलोनियां कनेक्टेड

भोपाल, दोहपर मेट्रो

अशोक गार्डन के पास स्थित 80-फीट रोड एक बेहद खराब सड़क के रूप में सामने आ रही है। लंबित मरमत, अतिक्रमण और वर्षा के पानी की निकासी न होने के चलते स्थानीय निवासियों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। भोपाल जैसे स्मार्ट सिटी घोषित हो चुके शहर में इस तरह की सड़कें प्रशासन की अनदेखी और लचर प्लानिंग को दर्शाती है। 80 फीट रोड जैसी महत्वपूर्ण सड़क की दुर्दशा केवल स्थानीय लोगों की नहीं, बल्कि पूरे शहर के चिंतनीय है। बता दें कि अशोका गार्डन क्षेत्र नगर के पुराने और घनी आबादी वाले इलाकों में गिना जाता है। इस क्षेत्र की मुय सड़क-80 फीट रोड- कभी सुगम यातायात का जरिया हुआ करती थी, लेकिन आज यह सड़क टूटी-फूटी, गड्ढों से भरी, अतिक्रमण की शिकार और जलभराव से खराब हो चुकी हैं। यह स्थिति दुर्घटनाओं का कारण भी बन चुकी है।

लोगों ने बताया कि बारिश में हालात बदतर हो जाते हैं। जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से पानी सड़कों पर भरता है कई दुकानों में भी पानी घुस जाता है। नालियां सालों से साफ नहीं हुई हैं,जिसके चलते बारिश के पानी की बेहतर जलनिकासी नहीं होती हो पाती है। ग्राहक दुकान तक आना ही छोड़ देते हैं। जोन-11 के वार्ड 38 में हर शाम यहां जाम लगता है, पैदल चलना असंभव हो जाता है। बारिश में सड़कें क्षतिग्रस्त हो जाएंगी, इसके अलावा नालियों की भी सफाई नहीं कराई जाती है।प्रशासन की कार्रवाई संतोषजनक नहीं है क्योंकि नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने के कई अभियान वर्तमान में खानापूर्ति तक सिमटकर गए। जिससे अतिक्रमण माफियाओं ने सड़क पर फिर से अतिक्रमण कर लिया। सड़क के किनारे दोनों साइड नाली बनाया जाना है इसलिए सड़क का निर्माण कार्य रुका है। ड्रेनेज सिस्टम बनने के बाद ही सड़क का निर्माण किया जा सकेगा। गली की तरफ से स्कूल जाने वाले बच्चे भी इन गड्ढों से बचने की कोशिश में कीचड़ में फिसल जाते हैं। जाम की वजह से ऑफिस देर से पहुंचता हूं। शाम के समय यह सड़क किसी बाजार की तरह हो जाती है। पैदल चलना भी मुश्किल होता है।

इस रोड से होकर रोजाना गुजरते हैं हजारों वाहन

स्थानीय व्यावसायिक गतिविधि बढ़ेगी और गलियों में रहने वाले लोग सुरक्षित तरीके से यात्रा कर पाएंगे। यह रोड 80 फीट रोड अशोका गार्डन थाने से स्वदेश नगर, पंत नगर, सुन्दर नगर, एकतापुरी कॉलोनी, सौभाग्य नगर, सुभाष कॉलोनी और गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र होते हुए मिनाल रेसीडेंसी एवं कोलुआ से बायपास रोड से जुड़ी है यहां से प्रतिदिन हजारों वाहनों का आना जाना होता है।

यह हो तो मिले राहत

अतिक्रमण हटाने में कड़ी कार्रवाई, अस्थाई ढाबों और कब्जाधारकों को हटाकर सड़क का चौड़ीकरण किया जाए। स्थाई मरमत एवं नाली सुधार, गड्ढों की फैली समस्याओं के लिए ड्रेनेज सिस्टम का पुर्निर्माण हो। निगरानी व नियमित रखरखाव, वर्षा शुरु होने से पहले सफाई, मरमत और फैसला का समयबद्ध कार्यान्वयन। पूरी सड़क का फिर से निर्माण कराया जाए, केवल पेचवर्क से समाधान नहीं होगा। स्थाई रूप से अतिक्रमण हटाया जाए और फुटपाथ को सामान्य लोगों के लिए खोला जाए। सड़क के दोनों ओर नालियों की सफाई और पुनर्निर्माण कराया जाए ताकि जलभराव ना हो। रात में स्ट्रीट लाइट की उचित व्यवस्था की जाए।

हिंदी विश्वविद्यालय के कुलसचिव पर बढ़ा दबाव

13 सहायक प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि खत्म करने की तैयारी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

अटल बिहारी हिंदी विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर राजीव वर्मा पर इस समय भारी दबाव है कि फरवरी 2023 में नियुक्त किए गए 13 सहायक प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि समाप्त की जाए। हालांकि, इस पूरे मामले में कई गंभीर विसंगतियाँ सामने आई हैं। सूत्रों के अनुसार, कई विषयों में लगातार छात्रों की संख्या शून्य बनी हुई है, जिसके चलते शैक्षणिक औचित्य पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसके अलावा, संबंधित सहायक प्राध्यापकों का दस्तावेज सत्यापन अब तक पूरा नहीं हुआ है, जिस पर ऋक्षद्ध के माध्यम से आपत्तियाँ भी दर्ज की गई हैं। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि प्रो प्रभारी कुलसचिव राजीव वर्मा का भविष्य निधि का लगभग 24 लाख रुपये अटका हुआ है, उनका अक्टूबर में रिटायरमेंट भी है। इस पूरे विवाद ने विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। अब देखना यह है कि कुलसचिव इस दबाव की स्थिति में क्या निर्णय लेते हैं और उच्च प्रशासनिक स्तर से इस प्रकरण पर आगे क्या दिशा-निर्देश जारी होते हैं।

धर्मेंद्र कौशल की धर्मपत्नी साधना का निधन

भोपाल. आर्य समाज दयानंद चौक भोपाल के प्रधान धर्मेंद्र कौशल की पत्नी साधना कौशल का लंबी बीमारी के पश्चात निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा आज गुरुवार शाम 4 बजे निज निवास न्यू मिनाल रेसीडेंसी, जे के रोड भोपाल से सुभाष नगर विश्राम घाट जाएगी।

मेट्रो एंकर | औसतन हर साल एक यूनिवर्सिटी से 1500 विद्यार्थियों को मिल रहा प्लेसमेंट

35 हजार से अधिक छात्रों के प्लेसमेंट की व्यवस्था नहीं

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भोपाल में 13 निजी विश्वविद्यालय हैं, जिनमें से आठ में ही प्लेसमेंट सेल है। पांच नई यूनिवर्सिटियों में काम चल रहा है। निजी विश्वविद्यालय संघ के पदाधिकारियों का कहना है लगभग 80 प्रतिशत विश्वविद्यालयों ने प्लेसमेंट सेल तैयार कर लिया है। औसतन हर साल एक यूनिवर्सिटी से करीब 1500 विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिल रहा है। कुछ छात्र स्टार्टअप की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। शासन स्तर पर एक केंद्रीयकृत प्लेसमेंट सेल बने। इससे सभी विश्वविद्यालयों के छात्रों को एक प्लेटफार्म मिल सकेगा। वर्तमान में 80 प्रतिशत विश्वविद्यालयों ने अपने स्तर पर प्लेसमेंट सेल तैयार किया हैं। नई यूनिवर्सिटी में काम चल रहा है। इसके माध्यम से हर साल प्रति यूनिवर्सिटी करीब 1500 विद्यार्थी को प्लेसमेंट मिलता है। साथ ही कुछ छात्र स्टार्टअप पर भी काम कर रहे हैं। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल हो तो छात्रों को जॉब मिल सकता है।

जानकारी के अनुसार प्रदेश के 52 निजी विश्वविद्यालयों में करीब दो लाख छात्र अध्ययनरत हैं। लेकिन अब तक कोई केंद्रीयकृत प्लेसमेंट सेल नहीं है। फिलहाल, हर विश्वविद्यालय अपने स्तर पर कैंपस इंटरव्यू आयोजित कर रहे हैं। इस वजह से प्रदेश के करीब 200 इंजीनियरिंग कॉलेजों में से कुछ को छोड़ दें तो यहां करीब 35 हजार से अधिक छात्रों के प्लेसमेंट की कोई व्यवस्था नहीं है।

बता दें प्लेसमेंट की स्थिति वर्ष 2018-19 में 20,826 अंतिम वर्ष के छात्रों में से 8,572 को प्लेसमेंट मिला, जबकि 2022-23 तक यह संख्या 52,868 छात्रों में से 16,974 तक पहुंच गई। केंद्रीय प्लेसमेंट से की गतिविधियों में प्लेसमेंट कैम्पस इंटरव्यू आयोजित करना शामिल है। वहीं रोजगार के अवसरों की जानकारी प्रदान, छात्रों को रेज्यूमे बनाने और इंटरव्यू के लिए तैयार करने में मदद करना, उद्योग और व्यवसाय के साथ सेमिनार और कार्यक्रम आयोजित करना, छात्रों को इंटर्नशिप और प्रोजेक्ट के अवसर प्रदान करना है।

कांग्रेस जिलाध्यक्षों की नियुक्ति मामले में कई मोड़, छह महीने की तलवार लटकी

डिफेंडर व अफेंडर के बीच फंसा फ्यूचर, दिल्ली ने तलब की रिपोर्ट

आशीष दुबे, भोपाल।

मप्र में कांग्रेस के नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के बाद मचे बवाल के बीच अब कांग्रेस मध्यमार्ग की तलाश में है। जाहिर तौर पर तो नियुक्ति के विरोधियों के प्रति उसके तेवर सख्त हैं लेकिन भीतरी तौर पर इस बवाल और उबाल को शांत करने की कोशिशें तेज हैं। कई तरह के संकेत व संदेश भेजे गए हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली के इशारे पर यह कवायद की जा रही है। हाइकमान ने पूरे मामले में एक रिपोर्ट भी मांगी है, जिसे तैयार करके कल तक भेज दिया जाएगा। वही नियुक्ति-मामले मेंछह महीने के फार्मूले वाला मोड़ चर्चित हो रहा है। यानि जो जिलाध्यक्ष अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरेगा, उसे छह महीने में बदल दिया जाएगा। हालांकि जो नेता इन नियुक्तियों से नाराज हैं, वे इसे महज झुनझुना मान रहे हैं, ताकि तात्कालित तौर पर उन्हें संयत किया जाए। उधर यह भी प्रचारित करने की कोशिश जारी है कि राहुल गांधी ने कई नेताओं से फोन पर बात करने के बाद उन्हें जिलों में तैनात किया है। इनमें मौजूद व पूर्व विधायकों का जिक्र है। हालांकि सूत्रों की मानें तो करीब आधा दर्जन नेताओं ने यह जिम्मेदारी लेने से इंकार भी किया था।

अधिकांश जिलाध्यक्षों की पारी पर संशय

जानकार सूत्र बताते हैं कि मौजूदा सारी कवायद डैमेज कंट्रोल का प्रयास है,लेकिन यह भी तय है कि अधिकांश जिलाध्यक्षों की पारी पर संशय है, क्योंकि इनमें दो दर्जन नेता ऐसे हैं जिन्हें विधानसभा का चुनाव भी लड़ना है। लगभग इतने ही नेता प्रदेश कार्यकारिणी में भी हैं, जो चुनाव लड़ना चाहते हैं या लडते रहे हैं। इसलिये इस बात के आसार ज्यादा हैं कि दो साल बाद जिले व प्रदेश कार्यकारिणी के ढांचे में बड़ा बदलाव होगा। खुद प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी भी चुनाव लड़ेंगे। उल्लेखनीय है कि पटवारी खुद इन दिनों नयी जिला टीम के बचाव में ताकत झोंक रहे हैं और इसे राहुल गांधी का सीधा फैसला बताकर डिफेंड कर रहे हैं। माना जाता है कि पटवारी इस तरह से खुद को इस पूरे बवाल में फंसने से भी बचा रहे हैं। जबकि अंदरखाने यह कहा जा रहा है कि भोपाल समेत कुछ जिलों में कुछ नामों के प्रति उनका जोर ज्यादा था। डिफेंडर की चर्चा के बीच नाराज नेता उस अफेंडर की तलाश में है, जिसके चलते उनकी जमावट व संगठन सृजन के लिए की गई कवायद बेकर चली गई।

नाराज नेताओं को संयत करने की कवायद तेज

राजधानी में फिर से जिलाध्यक्ष बने प्रवीण सक्सेना के नाम को लेकर बवाल भी थम नहीं पा रहा है। उधर एक वरिष्ठ नेता को करीब एक करोड़ कीमत वाली डिफेंडर गाड़ी गिफ्ट करने की चर्चा कई दिनों से चटखारे लेकर चल रही है। सबसे प्रबल दावेदार प्रदीप मोनू सक्सेना ने तो बिना कोई परवाह के मोर्चा खोल लिया है। मोनू महज तीन महीने ही जिलाध्यक्ष रह सके थे और सूत्रों की मानें तो दो बड़े नेताओं की चुनावी टिकट मजबूरी के चलते उन्हें यह पद प्रवीण सक्सेना के लिए छोड़ना पड़ा था। वे कांग्रेस के एक प्रदर्शन में बुरी तरह घायल होकर बड़ा शारीरिक नुकसान भी झेल चुके हैं। असंतोष की यही स्थिति महाकोशल से विंध्य व बुंदेलखंड से मध्यभारत के करीब डेढ दर्जन जिलों में है। हालांकि संगठन प्रभारी संजय कामले का कहना है कि नाराजगी काफी हद तक संयत हो चुकी है। अधिकांश ने अपने आपत्तिजनक पोस्ट डिलीट कर लिए हैं। ऐसे लोगों को संगठन के भीतर आकर नाराजगी जाहिर करना चाहिये, न कि सोशल मीडिया का सहारा लेना चाहिए। उनका कहना है कि नये जिलाध्यक्षों को तीन महीने का टास्क दिया जा रहा है और छह महीने पर परफार्मेंस का आकलन होगा,फिसड्डी रहने पर इन्हें बदला जा सकता है।

भविष्य की लीडरशिप

दरअसल इस पूरे मामले में भोपाल समेत कई जिलों का जिक्र इसलिये दिल्ली तक पहुंच रहा है क्योंकि यहां लंबे समय से पार्टी भविष्य के चेहरे तैयार नहीं पर पा रही है। चार दशक से सक्रिय सीनियर पीसी शर्मा अभी तक चेहरा हैं लेकिन नयी पौध के चेहरे प्रदीप मोनू सक्सेना, मनोज शुक्ला,योगेंद्र गुड्डु चौहान व अमित शर्मा के तौर पर देखे जाते हैं, जो बीते पांच साल से पार्टी की अंदरूनी व मैदानी राजनीति में ताकत झोंक रहे हैं। जिलाध्यक्ष के लिए यही नाम चर्चा में भी रहे,इसलिये विवाद भी थम नहीं रहा। नाराज नेताओं का कहना है कि पटवारी ने भोपाल से इंदौर वाया उज्जैन, तक अपने समर्थकों का 'कारिडोर' तैयार कर लिया है।

बीसीआई ने कहा है कि आदेश की अवहेलना की तो प्रवेशरत विद्यार्थियों की होगी डिग्री अमान्य

अब तीन साल तक कोई नया विधि कालेज शुरू नहीं होगा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश में अब तीन साल तक कोई नया विधि कालेज शुरू नहीं होगा। राज्य में 2026-27, 2027-28 और 2028-29 में कोई नया विधि कालेज खोलने की अनुमति भी नहीं दी जाएगी। ये व्यवस्था प्रदेश में संचालित होने वाले निजी विश्वविद्यालयों पर भी लागू होगी। यह निर्णय बीसीआई ने विधि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए लिया गया है। बीसीआई ने कहा है कि कोई कालेज आदेश की अवहेलना करता है, तो प्रवेशरत विद्यार्थियों की डिग्री अमान्य कर दी जाएगी। उनके विद्यार्थी बीसीआई में रजिस्टर्ड नहीं हो पाएंगे। इससे वे लीगल प्रैक्टिस नहीं कर पाएंगे और न ही भर्ती प्रक्रिया में भागीदरी कर पाएंगे। इसके अलावा कालेजों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसके वे स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

अभी 32 सरकारी और 102 निजी विधि कालेज संचालित

दरअसल, प्रदेश में 32 सरकारी और 102 निजी विधि कालेज संचालित हो रहे हैं। उक्त कालेजों को विधि का नया कोर्स, फैकल्टी या बैच लेने के लिए शासन और संबंधित विवि के साथ बीसीआई से स्वीकृति लेनी होगी। जब तक कालेजों को बीसीआई से मंजूरी नहीं मिल जाती तब तक उन्हें शासन और विवि अनुमति नहीं देंगे। वर्तमान सत्र में करीब एक दर्जन विधि कालेजों को अनुमति देकर प्रवेश दिए गए हैं।

एक दर्जन कालेज अटके

आगामी सत्र 2026-27 में करीब एक दर्जन और कालेज आने वाले थे। क्योंकि वर्तमान सत्र में कुछ कालेजों को मापदंड पूरे नहीं होने के कारण रोक दिया गया था। अब उन्हें अनुमति नहीं मिल पायी है, तो उन्हें आगामी साल में भी अनुमति नहीं मिलेगी। 7 उन्हें 2029-30 सत्र से ही मान्यता और संबद्धता मिल सकती है।

इसलिए पड़ी जरूरत

विधि शिक्षा की गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है। देश में घटिया कालेजों की वृद्धि, राज्य सरकारों द्वारा एनओसी जारी करना और विश्वविद्यालयों द्वारा बिना उचित निरीक्षण के संबद्धताएं देने से विधि शिक्षा में क्षति हो रही है। विधि शिक्षा के व्यावसायीकरण, व्यापक शैक्षणिक कदाचार और योग्य संकायों की निरंतर कमी बनी हुई है। उन्हें नियंत्रित करने के लिए विधि कालेजों को नियंत्रित करना जरूरी हो गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के आकांक्षी जिलों और आकांक्षी विकासखंडो के अधिकारियों को सम्मानित किया।

मंत्री सारंग को रिकॉर्ड 1.84 लाख बहनों ने बांधे रक्षा-सूत्र

लव जिहाद और नशे के खिलाफ अहम लड़ाई का मंच बना रक्षाबंधन महोत्सव

भोपाल। विश्व के सबसे बड़े रक्षाबंधन महोत्सव का बुधवार को ऐतिहासिक समापन हुआ। इस वर्ष सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री तथा नरेला विधायक विश्वास कैलाश सारंग को रिकॉर्ड 1 लाख 84 हज़ार 632 बहनों ने रक्षा-सूत्र बांधकर नया स्वर्णिम कीर्तिमान स्थापित किया। विगत 16 वर्षों से निरंतर आयोजित इस विख्यात रक्षाबंधन महोत्सव में नरेला विधानसभा के सभी 17 वार्डों सहित भोपाल के विभिन्न क्षेत्रों से बहनों ने भाग लेकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। मंत्री सारंग ने कहा कि यह महोत्सव केवल एक पर्व नहीं बल्कि बहनों और भाइयों के अटूट विश्वास का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 1 लाख 82 हज़ार से अधिक बहनों ने राखी बांधकर आशीर्वाद दिया था। इस वर्ष यह संख्या और बढ़कर 1 लाख 84 हज़ार 632 हो गई। यह स्नेह और विश्वास ही मुझे जनसेवा के लिए निरंतर शक्ति प्रदान करता है। मंत्री सारंग ने कहा कि रक्षाबंधन महोत्सव अब केवल राखी का पर्व नहीं, बल्कि नारी शक्ति के सम्मान का भी मंच बन चुका है। लव जिहाद और नशे की काली छाया में बहनों को फँसाने वाले तत्वों के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा।

कॉलेज और विश्वविद्यालयों में अब श्रीमद्भागवत गीता भी पढ़ाई जाएगी

भोपाल। प्रदेश के कालेज और विश्वविद्यालयों में अब श्रीमद्भागवत गीता भी पढाई जाएगी। इसको लेकर उच्च शिक्षा विभाग ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने आदेश जारी करते हुए कहा कि कॉलेज और विवि में 13 भाषाओं में ऑनलाइन श्रीमद्भागवत गीता सिखाई जाएगी। इसके लिए गीता परिवार द्वारा संचालित ऑनलाइन कक्षा में विद्यार्थियों के पंजीयन कराए जाएंगे, जो 27 अगस्त तक होंगे। इसमें विद्यार्थी को नाम, आयु, मोबाइल नंबर सहित अन्य जानकारी देनी होगी। क्योंकि श्रीमद्भागवत गीता 13 भाषाओं में उपलब्ध है। इसलिए विद्यार्थियों को अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, तमिल, तेलूगू, गुजराती, मलयालम, बंगाली, उडिया, कन्नड, असमिया, नेपाली और सिंधी में से किसी एक का विकल्प भी देना होगा। उन्हें समय स्लॉट भी चुनना होगा। पंजीकृत विद्यार्थियों को भगवद्गीता के सभी 18 अध्यायों में चार भाग (स्तर) सिखाये जाएंगे। इसके लिए उन्हें कोई शुल्क नहीं देना होगा। यह पूर्णतः निशुल्क रहेगा। सप्ताह में पांच दिन लाइव कक्षाएं आयोजित होंगी। सप्ताहांत में भावार्थ विवेचन सत्र संचालित होंगे। विभाग नियमित कक्षाओं और अभ्यास से निरंतरता रखने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित भी करेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में श्रीकृष्ण पाथेय योजना के क्रियान्वयन के लिए बैठक हुई थी।

गीता परिवार द्वारा संचालित ऑनलाइन कक्षा में विद्यार्थियों के पंजीयन 27 अगस्त तक

स्मार्ट मीटर पूरी तरह पारदर्शी और सटीक, असंतुष्ट हैं तो चेक मीटर लगवाएं

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक 3 लाख 52 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिये गये हैं। स्मार्ट मीटर की स्थापना के दौरान कंपनी द्वारा पुराने मीटरों को बदला जा रहा है और उपभोक्ता परिसरों में नये स्मार्ट मीटर स्थापित किये जा रहे हैं। इस दौरान जो उपभोक्ता असंतुष्ट हैं उनके परिसरों में चेक मीटर भी स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि दोनों मीटरों की खपत का मिलान किया जा सके। कंपनी ने कहा है कि अभी तक कंपनी कार्यक्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर कुल 7 हजार 39 चेक मीटर स्थापित किए जा चुके हैं।

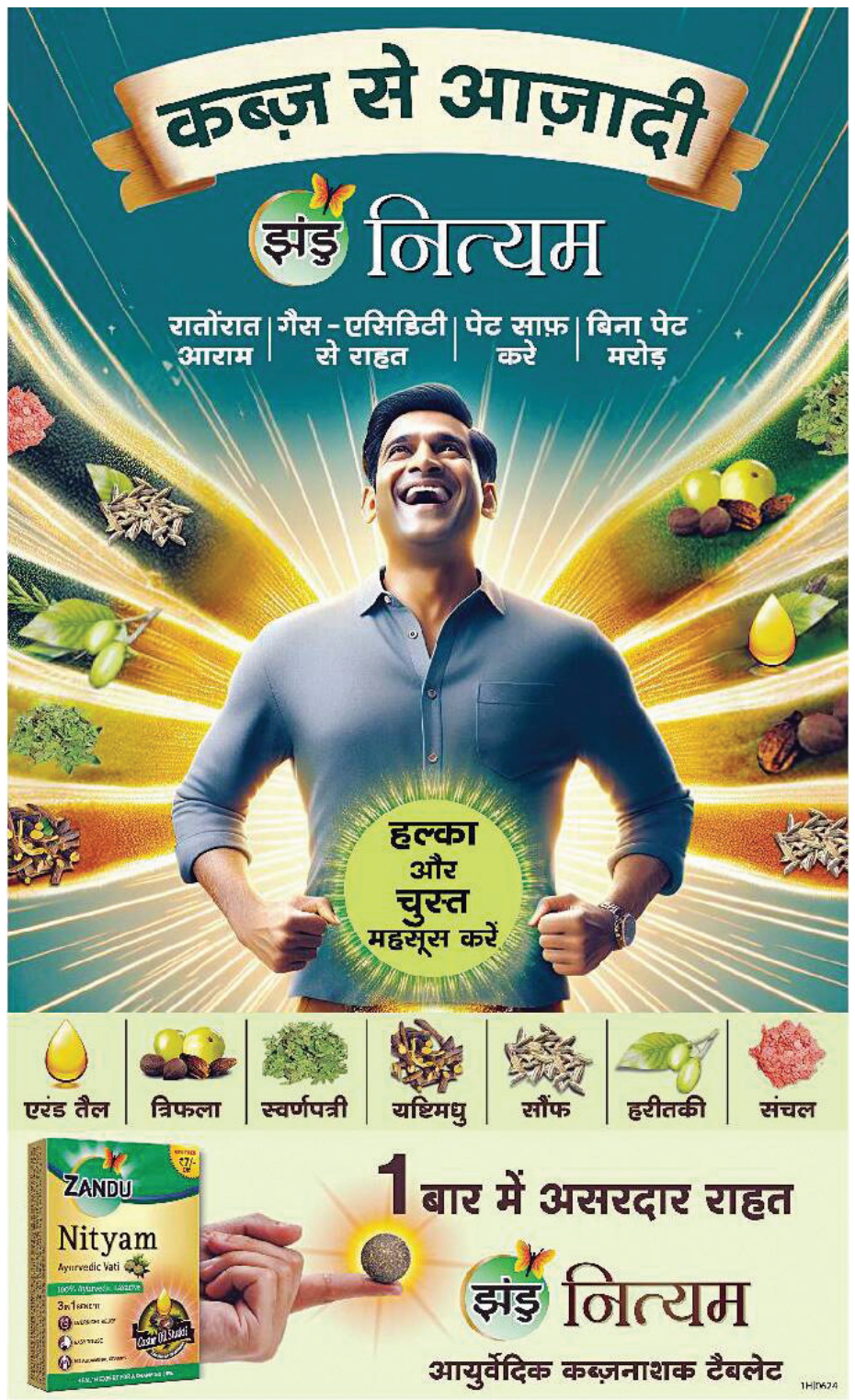

मेट्रो एंकर

एक बगिया मां के नाम परियोजना

34 हजार से अधिक महिलाओं ने कराया पंजीयन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

स्व सहायता समूह की महिलाओं को समृद्ध बनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नवाचारों के माध्यम से महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत प्रदेश में ÷एक बगिया मां के नाम÷ परियोजना शुरू की गई है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फलोद्यान की बगिया लगाई जाएगी। फलोद्यान की बगिया लगाने को लेकर समूह की महिलाओं ने विशेष उत्साह का दिखाया है। प्रदेश में निर्धारित लक्ष्य से अधिक 34 हजार 84 महिलाओं ने एक बगिया मां के नाम ऐप पर पंजीयन कराया है। परियोजना के अंतर्गत सरकार हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान कर रही है। योजनान्तर्गत प्रदेश में फलदार पौधे लगाने का कार्य

भी शुरू हो गया है। एक बगिया मां के नाम परियोजना का लाभ लेने वाली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का चयन एक बगिया मां के नाम ऐप से किया जा रहा है। ऐप का निर्माण मनरेगा परिषद द्वारा स्ब्क्स्श्वष्ठष्ट के माध्यम से कराया गया है। अन्य किसी माध्यम से हितग्राही का चयन नहीं किया जाएगा। चयनित महिला हितग्राही के नाम पर भूमि नहीं होने की दशा में उस महिला के पति-पिता-ससुर-पुत्र की भूमि पर उनकी सहमति के आधार पर पौधरोपण किया जा सकेगा।

पहली बार अत्याधुनिक तकनीक से किया जा रहा पौधरोपण

प्रदेश में पहली बार अत्याधुनिक तकनीक से पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए सिपरी सॉफ्टवेयर की मदद ली जा रही है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से पौधरोपण के लिए जमीन का चयन वैज्ञानिक पद्धति (सिपरी सॉफ्टवेयर) के माध्यम से किया गया है। जमीन चिन्हित होने के बाद सॉफ्टवेयर की मदद से ही भूमि का परीक्षण किया गया है। जलवायु के साथ ही किस जमीन पर कौन सा फलदार पौधा उपयोगी है, पौधा कब और किस समय लगाया जाएगा। पौधों की सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी कहाँ पर उपलब्ध है, यह सब वैज्ञानिक पद्धति (सिपरी सॉफ्टवेयर) के माध्यम से पता लगाया जा रहा है। जमीन के उपयोगी नहीं पाए जाने पर पौधरोपण का कार्य नहीं होगा। पौधरोपण का कार्य बेहतर ढंग से हो इसके लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया है।

संपादकीय

प्रकृति से खिलवाड़ के नतीजे

कुदरत का अपना मिजाज होता है वह हर तरह के संतुलन के लिये जानी जाती है, लेकिन कई बार इसी कुदरत या प्रकृति का रौद्र दिखता है तो इसे महज त्रासदी या प्राकृतिक घटना के तौर पर देखने की बजाए इसके पीछे का कारणों व आगे की सावधानी पर भी चर्चा होना जरूरी है। इस बार मानसून के मौसम में तबाही के दौरा ज्यादा देखे व सुने जा रहे हैं और आलम यह है कि मनुष्य को अगर संभलने का मौका नहीं मिल रहा है। वैसे इसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार है। हाल में धराली में बादल फटने से हुई तबाही से लोग अभी उबरे भी नहीं थे कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में ठीक वैसा ही हादसा हुआ। बादल फटने से आई बाढ़ ने तबाही मचा दी। अचानक आए सैलाब में साठ से ज्यादा लोगों की जान चली गई, सैकड़ों लोग लापता हो गए। नियंत्रण रेखा के पास चोशिती गांव में हुआ यह हादसा एक बड़ा सबक है। यह गांव पड्डर घाटी में है और यहां अठारह सौ से लेकर करीब चार हजार मीटर ऊंचे पहाड़ हैं। जब भी यहां बारिश होती है तो पानी तीव्र गति से नीचे आता है। जाहिर है कि सवाल उठेगा ही कि जिला प्रशासन ने यह तैयारी क्यों नहीं कि अगर कभी बादल फटने की नौबत आई, तो गांव से ऊपर मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को कैसे बचाया जाएगा? गौरतलब है कि साढ़े नौ हजार फुट ऊंचाई पर स्थित मचैल माता मंदिर जाने के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग आते हैं। सवाल यह भी है कि स्थानीय प्रशासन ने यहां लंगर और दुकानें लगाने की भी अनुमति क्यों दी, यह जानते हुए भी कि जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की घटनाएं हर वर्ष बढ़ रही हैं। पहाड़ी इलाकों में पहले भी बादल खूब बरसते थे, लेकिन इस तरह बादल नहीं फटते थे। अब बार-बार हो रही तबाही की वजह जलवायु परिवर्तन तो है ही, वहीं पहाड़ों पर अनियंत्रित और अवैज्ञानिक तरीके से हो रहा निर्माण कार्य भी है। नदी के तटों के नजदीक और पहाड़ों की ढलान पर बन रहे घरों ने इस संकट को बढ़ाया ही है। उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में इस तरह की घटनाओं से अब सजग होने और इससे निपटने की जरूरत है। पहाड़ों पर अधिक संख्या में पर्यटकों के आने, वाहनों की आवाजाही बढ़ने और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने यहां की प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचाया है। नतीजा क्षेत्रीय जलचक्र में बदलाव आया है और इससे हाल के वर्षों में प्राकृतिक आपदा बढ़ी है। कुदरत अगर अपना क्रोध प्रकट कर रही है, तो इसे समझने और चेतने का समय है। उल्लेखनीय है कि अब मौसम विज्ञान भी काफी आधुनिक स्वरूप ले चुका है मौसम की करवटों का अब काफी हद तक सटीक आकलन भी हो रहा है, आने वाले दशकों तक के खतरों का आकलन भी हो रहा है,तब सरकारें इन बातों से तालमेल बैठाकर काम क्यों नहीं करती हैं? कब तक प्रकृति से खिलवाड़ होती रहेगी। हाल में उत्तराखंड सरकार ने भारी तबाही के बाद तय किया कि अब सुरक्षित दूरी पर निर्माण होंगे। लेकिन यह भी तय हुआ है कि धराली को अब यहां से दूर कहीं बसाया जाएगा। सहज ही सोचा जा सकता है कि यह सारे खतरे तब क्यों नहीं आंकलित किए गए जब धडल्ले से व्यवसायिक निर्माणों की मंजूरी दी जा रही थीं। किसी गांव या शहर की विस्थापन बहुत पीडादायक भी होता है, मगर जरूरत है कि हर राज्य की सरकार प्रकृति के दोहन की सीमा तय करे और इस पर कायम भी रहे।

अपनी परिस्थितियों पर विचार न करनेवाला व्यक्ति मूर्ख होता है।

- अमृतलाल नागर

निशाना

चमक रहा बाजार !

आ गई है तेजी ।
चमक रहा बाजार ।।
लगता अस्थायी ।
थमा कुछ बाजार ।।
झूम उठे निवेशक ।
भाषण चमत्कार ।।
देखते हैं कब तक ?
है यह असरदार ।।
चल रहा माहौल जो ।
युग यह टैरिफ वार ।।
कब कहां कुछ फट जाए ।
सब बैठे तैयार ।।
लौट आई रौनक ।
पता नहीं चल पाया ।।
कह सकते फिलहाल ।
इसको वैश्विक माया ।।

- कृष्णेन्द्र राय

आज का इतिहास

- 1790 - जनरल मेडोस के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना ने डिंडिगुल पर कब्जा जमाया।
- 1915 - पहले विश्व युद्ध के दौरान इटली ने तुर्की के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1959 - हवाई अमेरिका का 50वां प्रांत बना।
- 1965 - यूरोपीय देश रोमानिया में संविधान को अंगीकार किया गया।
- 1972 - वन्यजीव संरक्षण अधिनियम संसद में पारित।
- 1972 - भारत में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम पारित।
- 1997 - पूर्वी चीन में चक्रवाती तूफ़ान विन्नी से 140 लोगों की मौत हुई और तीन हजार लोग घायल हुए।
- 1983 - फिलीपींस के विपक्षी नेता बेनिग्रो एस. एक्विनो की स्वैच्छिक निर्वासन के पश्चात् वापसी, भूमि पर क़दम रखते ही गोली मारकर उनकी हत्या।
- 1988 - भारत नेपाल सीमा पर आये तीव्र भूकंप से एक हज़ार लोगों की मौत।
- 1991 - सोवियत संघ में राष्ट्रपति गोर्बाचोव अपदस्थ, मास्को में कर्फ्यू, क्रान्ति, विफल एवं गोर्बाचोव पुनः सत्ता में।
- 2000 - दक्षिण-पूर्वी आर्देक प्रान्त में लगी आग से 1600 हेक्टेयर क्षेत्र में खड़े वन नष्ट, रूसी पनडुब्बी के सभी 118 सदस्यों के मारे जाने की पुष्टि।

परमाणु अस्त्रों को लेकर गैर जिम्मेदार बयानबाजी

■ ले.जन. एसएस मेहता

परमाणु युग की सदा अपनी एक अलग भाषा रही है। शीत युद्ध के निवारक (डिटेरेंट) और पारस्परिक विनाश सुनिश्चित करने वाले इंतजाम से आगे चलकर, इसको 'विश्वसनीय न्यूनतम निवारक' और 'उपयोग में पहल नहीं' जैसे सौम्य नाम देने तक, हर वाक्यांश सावधानी से गढ़ा जाता था। व्याकरण अपने आप में संयम का एक औजार बन गया। धारणा ये रही कि इस परमाणु-व्याकरण से अंकुश बनता है और यह उनका उपयोग रोककर रखता है।

परस्पर विरोधियों तक में भी समझ थी कि परमाणु मामलों में, शब्दों में वेग होता है- वह जो सैन्य लामबंदी, डराने या एक भी मिसाइल हिलाए-डुलाए बिना तनाव अथवा टकराव में बढ़ोतरी करने में सक्षम होता है। सार्वजनिक संवाद निवारण के अभिन्न अंग थे; बयान स्पष्टता भरे और नपे-तुले शब्दों में गढ़कर जारी किए जाते क्योंकि कोई एक गैर-जिम्मेदार वाक्यांश सैन्य गतिविधि या बेबात का अलर्ट पैदा कर सकता था। अब वह अनुशासन कमज़ोर पड़ता जा रहा है। संयम का व्याकरण स्थूल बन गया है। जहां कभी परमाणु ताकत का जिक्र इरादतन संदेशों तक सीमित था, अब वह चुनावी रैलियों, प्रेस वार्ताओं और टेलीविज़न भाषणों में आन घुसा है। परमाणु संदर्भ में इस किस्म की नाटकीय जुमलेबाजी हानि रहित नहीं होती; यह उन्हीं नियमों का उल्लंघन करने जैसा है जिन्होंने दशकों तक दुनिया को परमाणु युद्ध से बचाए रखा है। चुप्पी की ताकत प्रबल करना: खतरा न केवल उससे है जो कुछ कहा जाता है बल्कि जो अनुत्तरित रह गया, उससे भी है। जब एक मेज़बान देश की चुप्पी संयुक्त राष्ट्र की अनुपस्थिति और अन्य परमाणु ताकतों की उदासीनता मिलकर, किसी परमाणु धमकी को बिना ऐतराज जाने दे,तो वे जवाबदेही दरकिनार और परमाणु मानक कमजोर कर देते हैं। विरोधाभास पर टिका परमाणु निवारक: हथियार पास होना युद्ध रोकने के लिए है न कि युद्ध छेड़ने को। यह विरोधाभास केवल संयम, रुख, सैन्य तैनाती और इनसे बढ़कर, भाषा के जरिये जीवित रहता है। नोबेल पुरस्कार विजेता रणनीतिकार थॉमस शेलिंग ने चेताया था कि निवारण केवल हथियारों तक सीमित नहीं, 'जोखिम के हेरफेर' से भी जुड़ा है। इसलिए, भाषा शस्त्रागार का एक हिस्सा है। गैर-जिम्मेवार तैनाती की तरह, लापरवाह शब्द भी संतुलन खतरनाक रूप से बिगाड़ सकते हैं। हमारे पूर्व नौसेना प्रमुख, एडमिरल अरुण प्रकाश ने चेताया है कि परमाणु शब्दावली भी परमाणु रुख जितनी ही जोखिम भरी है। उनका कहना है कि लंबे समय तक भारत की विश्वसनीयता का आधार दोनों ही मामलों में अनुशासित संयम बनाए रखना रहा। परमाणु युग में लापरवाह बयानबाजी को महज घरेलू राजनीति वाली जुमलेबाजी मानकर खारिज करना खतरनाक व गलत आकलन हो सकता है।

बंकर से नहीं, खुलेआम : एक स्पष्ट मामला इस गिरावट को दर्शाता है। एक अग्रणी लोकतंत्र की भूमि पर, एक परमाणु-शस्त्र सपंन्न मुल्क का सेनाध्यक्ष ऐलान करता है : 'अगर हमने पाया कि हम डूबने जा रहे हैं, तो हम अपने साथ आधी दुनिया को भी ले डूबेंगे'। यह बात उन्होंने किसी बंकर में फुसफुसाकर नहीं कही, बल्कि घरेलू और वैश्विक श्रोताओं के सामने सरेआम माइक्रोफोन में बोली। मेजबान देश ने इस पर कोई ऐतराज नहीं जताया। संयुक्त राष्ट्र ने चुप्पी साध ली। सुरक्षा परिषद के अन्य स्थायी सदस्यों ने आंखें फेर लीं।

यह संकेत देता है कि कूटनीतिक कीमत चुकाए बिना परमाणु ब्लैकमेल की जा सकती है। बिन ऐतराज प्रत्येक धमकी अगले धमकी की सीमा को और छोटी कर देती है, और संयम को उद्दंडता में बदल देता है। संधियों से परे: इस खतरे का फैलाव परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) जैसी संधियों से भी कहीं आगे तक जाता है। असली ख़तरा सिर्फ़ इसमें नहीं कि परमाणु अस्त्रों का नियंत्रण किसके पास है बल्कि इसमें भी है कि परमाणु हथियारों को लेकर बात कैसे की जाती है, कैसे उपयोग की धमकी जाती है और कैसे इस सबका सामान्यीकरण किया जा रहा है। जब एक पराजित सेनाध्यक्ष, अपने ही प्रधानमंत्री को पीछे करके, किसी दूसरे लोकतंत्र की धरती से अपने लोकतांत्रिक पड़ोसी और आधी दुनिया को धमकी दे डाले, और संसार चुप्पी साध ले, तो यह हरकत किसी संधि के उल्लंघन से ज़्यादा विनाशकारी मिसाल कायम करने वाली है। यह दुनिया भर के सत्ताधीशों को संदेश देता है कि परमाणु ब्लैकमेल का उपयोग, निर्भय होकर खुलेआम किया जा सकता है। यह बर्ताव संयम के मूल व्याकरण को बेमाने करता है। कुछ लोग तर्क देते हैं कि ऐसी बयानबाज़ी का इस्तेमाल केवल घरेलू राजनीतिक लाभ के लिए है। लेकिन परमाणु युग में धारणा भी क्षमता जितनी ही खतरनाक हो सकती है। एक गलत जुमला प्रतिद्वंद्वी को निवारक रुख अपनाने को प्रेरित कर सकता है। एक अस्पष्ट वाक्यांश,नीयत को लेकर गलतफहमी पैदा कर सकता है। और जब विवादित सीमाओं से लेकर साइबर हमले की घटनाओं तक, संकट पहले से ही एक साथ चले हुए हों - गलती करके बच जाने की गुंजाइश खतरनाक रूप से काफी कम रह जाती है।

अन्य मानदंडों से सबक: विगत में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय दर्शा चुका है कि संयम न केवल शस्त्रागार के जरिए, बल्कि सैद्धांतिक रूप में संहिताबद्ध करके भी हासिल किया जा सकता है। साल 1997 की ओटावा बारुदी सुरंग संधि ने साबित कर दिया था कि जब दुनिया एकमत हो जाए कि कुछ हथियार एकदम अस्वीकार्य हैं, तो अवहेलना का कलंक काफी अहमियत रखता है। रासायनिक हथियार सम्मेलन ने भी यह स्थापित किया कि परिस्थिति जैसी भी हो, कुछ ख़तरे वैश्विक रूप से रेड लाइन पार कर जाते हैं। यहां तक कि अनिच्छुक शक्तियों को भी खुले तौर पर नियमों की अवहेलना करने की बजाय, उल्लंघन जायज ठहराने या छुपाने को मजबूर होना पड़ता है। ये मामले दर्शाते हैं कि संयम को केवल नियंत्रण संधियों के माध्यम से नहीं, बल्कि एक साझा विश्वास के जरिए संस्थागत रूप दिया जा सकता है, इसी प्रकार कुछ हथियारों और उनके उपयोग को लेकर बयानबाज़ी को भी पूर्ण अवैध घोषित करना चाहिए। चिंताजनक रूप से, परमाणु विमर्श उल्टी दिशा में जा रहा है। धमकी और इस्तेमाल की वर्जना को मज़बूत करने की बजाय, चुप्पी व बेपरवाही उसे खोखला कर रही है। कलंक के जिस डर ने बारूदी सुरंगों और रासायनिक हथियारों का उपयोग रोके रखा है, वह परमाणु हथियारों के मामले में बेपरवाही का सामान्यीकरण करने से प्रभाव खो सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर की सीख : भारत का अपना इतिहास एक शक्तिशाली प्रतिवाद प्रस्तुत करता है। ऑपरेशन सिंदूर में, जब पाकिस्तानी सेना कमज़ोर पड़ी और तनाव बेहद था, भारत के पास युद्ध को विस्तार देने की पूरी क्षमता थी। फिर भी उसने नपा-तुला संयम चुना। लक्ष्यों पर सटीक प्रहार किया, टकराव में विस्तार किये बिना ऑपरेशन खत्म कर दिया। यह कमज़ोरी नहीं थी; आवेग के वशीभूत होने के बजाय सिद्धांत पर अमल करना था। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि परमाणु युग की शासन प्रणाली गैर-जिम्मेवार हुए बगैर दृढ़ रह सकती है। यह भी कि संयम की शक्ति भरोसा कम करने के बजाय मज़बूत करती है।

संयम के व्याकरण की पुर्नस्थापना: चिंतन करना बेशक पहले जरूरी होता है, लेकिन कार्रवाई इंतजार नहीं सकती। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, माइक्रोफोन पर गैर-जिम्मेदार बयानबाजी से परमाणु युग की सुरक्षा के वास्ते, दुनिया को अपने सिद्धांतों और परमाणु शब्दावली में अनुशासन बहाल करना होगा।

जरूरी है बहुआयामी दृष्टिकोण: मेजबान देश को अपनी भूमि पर परमाणु ब्लैकमेल का विरोध करना चाहिए, स्पष्ट करते हुए कि ऐसी बयानबाजी अस्वीकार्य है। संयुक्त राष्ट्र, पी-5, क्षेत्रीय मंच जैसी संस्थाओं को इसकी पुष्टि अवश्य करनी चाहिए कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी सामूहिक निंदा की मांग करती है, विनम्र चुप्पी की नहीं। राजनयिक मंच संयम के स्थान के रूप में बरते जाएं। कोई प्रेस वार्ता या आधिकारिक यात्रा व्यक्तिगत मंच नहीं होता; यह एक देश के दूसरे देश से संवाद का पटल होता है। नागरिक समाज और मीडिया में भी संयम की शब्दावली की समझ जरूरी है, बेकाबू परमाणु बयानों को उग्रता बढ़ाने के रूप में पेश करना चाहिए। रक्षा प्रतिष्ठान भी राजनीतिक नेतृत्व को नियमित रूप से जानकारी देकर उन्हें निष्पक्ष, ऐतिहासिक रूप से स्थिर और खतरे के आकलन से अवगत कराए, ताकि नेताओं में सरसरी तौर पर ही, लेकिन परमाणु संबंधी अनौपचारिक बयानबाजी की कीमत चुकाने की समझ बन सके। यह अभिव्यक्ति पर अंकुश लगाना नहीं, बल्कि यकीनी बनाना है।

सिद्धांत पालना : जब सिद्धांत मौन पड़ जाएं, सत्ता उनसे खिलवाड़ करने लगती है। शब्दावली पर काबू न रहने पर,यह अपनी बोली बोलने लगती है- धमकी की भाषा। यह ऐसी बोली है जिसमें दुनिया कभी भी पारंगत नहीं होनी चाहिए, क्योंकि ऐसा होने का मतलब होगा मुख से तबाही निकलना। परमाणु ब्लैकमेल के समक्ष दुनिया की चुप्पी तटस्थता नहीं, बल्कि मिलीभगत है। इस प्रवृत्ति को उलटना एक विकल्प न होकर अस्तित्वगत अनिवार्यता है।

साभार: लेखक सेना की पश्चिमी कमान के पूर्व कमांडर हैं।

वरिष्ठजन हैं अनुभव की विरासत एवं भविष्य की शक्ति

■ ललित गर्ग

अगस्त का महीना अनेक अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की वजह से विशेष महत्व रखता है। युवा दिवस, मित्रता दिवस, हिरोशिमा दिवस, अंगदान दिवस, स्तनपान दिवस, आदिवासी दिवस, मच्छर दिवस, फोटोग्राफी दिवस, मानवीय दिवस आदि की तरह एक महत्वपूर्ण दिवस है-विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, जो हर वर्ष वृद्धों को समर्पित किया जाता है। यह दिन वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन के लिए दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि आधुनिक समाज में वृद्धपीढ़ी उपेक्षा, अवमानना और अकेलेपन का शिकार होती जा रही है। जिस पीढ़ी ने अपने खून-पसीने से परिवार और समाज की नींव रखी, वही पीढ़ी आज भावनात्मक रिक्तता और उदासी में जीने को विवश है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों में धुंधलापन, तन की थकान और मन की उदासी हमारी आधुनिक सोच और स्वार्थपूर्ण जीवनशैली की त्रासदी को बयां करते हैं।

भारत जैसे देश में, जहां माता-पिता और बुजुर्गों को भगवान समान माना गया, जहां श्रीराम ने पिता की आज्ञा से राजपाट त्याग दिया और श्रवणकुमार ने अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराई, वहां आज संतान और बुजुर्ग माता-पिता के बीच दूरियां क्यों बढ़ रही हैं? क्यों वरिष्ठजन स्वयं को निरर्थक और अनुपयोगी समझने को विवश हैं? यह प्रश्न केवल परिवार के विघटन का नहीं है, यह नई पीढ़ी के संस्कार और समाज की आत्मा से भी जुड़ा है, यह नये समाज एवं नये राष्ट्र की आदर्श संरचना से भी जुड़ा है। वरिष्ठजन परिवार और समाज के लिए ताकत और सम्बल हुआ करते थे, वे जीवन को संवारने का सबसे बड़ा माध्यम थे। उनकी सूझ-बूझ, अनुभव और ज्ञान की संपदा समाज के लिए अमूल्य थी। फिर भी क्यों हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं? क्यों उनके अनुभवों का उपयोग करने से कतराते हैं? इस विडंबना को समझने के लिए हमें यह मानना होगा कि उपेक्षा का यह गलत प्रवाह केवल बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच भावनात्मक दूरी और संवेदना की कमी को भी बढ़ा रहा है। यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह बढ़ती रही तो परिवार और समाज अपनी नैतिक जिम्मेदारी से विमुख हो जाएंगे। नई और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद और संवेदनशीलता का सेतु टूट जाएगा और यह स्थिति किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं है। जरूरत इस बात की है कि वरिष्ठजनों को उनके अंतिम पड़ाव में मानसिक शांति और सम्मान का माहौल मिले, वृद्धजन को भार नहीं, आभार माने, वृद्धों को बंधन के रूप में नहीं, आत्मगौरव के रूप में स्वीकारें, वृद्धों की शाम उदासी नहीं, उमंग का माध्यम बने।

वरिष्ठ नागरिक दिवस इसी चेतना को जगाने का अवसर है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हमें बुजुर्गों के ज्ञान, अनुभव और निरंतर योगदान की सराहना करनी चाहिए। 2025 में यह विशेष दिवस 21 अगस्त को मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य परिवारों, मित्रों और संगठनों को प्रेरित करना है कि वे बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके अधिकारों की रक्षा करें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी जड़ें अमेरिका से जुड़ी हैं, जहां राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1988 में इस दिवस की शुरुआत की। तब से यह दिवस सीमाओं से परे फैल गया है और संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठन वृद्धावस्था की गरिमा और अधिकारों पर जोर दे रहे हैं। इस दिवस की इस वर्ष की थीम है- समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनाना।

यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वरिष्ठजनों की बात ध्यान से सुनी जाए और परिवार, समुदाय और नीतिगत निर्णयों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। यह विषय एक कार्रवाई का आह्वान है कि उम्र कभी भी भागीदारी और नेतृत्व में बाधा नहीं बननी चाहिए। वरिष्ठों को नेतृत्व के अवसर देना, उनकी कहानियां सुनना, उनकी सलाह लेना, उन्हें रचनात्मक दायित्व सौंपना, यही सच्चे सम्मान का मार्ग है। अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि जीवन संबंधी जटिल समस्याओं को हल करने में बुजुर्गों की सोच, धैर्य और दृष्टिकोण युवा पीढ़ी की तुलना में अधिक परिपक्व साबित होता है। यदि उन्हें कोई लक्ष्य दिया जाए तो वे अपनी धीमी गति की भरपाई अपने पैने नजरिए और बेहतर योजनाओं से कर लेते हैं। पारदर्शी सोच, परिणामों का आकलन और अच्छे-बुरे का विवेक जैसे गुण बुजुर्गों में अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसीलिए दफ्तरों, संस्थाओं और घरों में उन्हें उपेक्षित करना अनुचित ही नहीं, बल्कि हमारे लिए नुकसानदेह भी है। समाज में कई स्तरों पर ऐसे कदम उठाए जा सकते हैं, जिनसे बुजुर्ग स्वयं को उपेक्षित न महसूस करें। परिवारों में नियमित रूप से संगोष्ठियां हों जिनमें वरिष्ठजन अपने अनुभव साझा करें। स्कूलों में ग्रैंड-पैरेंट्स डे आयोजित हो, जिससे बच्चे अपने दादा-दादी से सीख सकें और बुजुर्गों को सक्रियता और अपनापन महसूस हो। समाज और धार्मिक संस्थाओं को संयुक्त संगोष्ठियां करनी चाहिए, जहां नई और पुरानी पीढ़ी एक-दूसरे को समझ सके। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और परिवारों को भी बुजुर्गों की क्षमताओं का रचनात्मक उपयोग करना चाहिए। छोटे-छोटे आयोजन जैसे परिवार के भोज, स्मृति पुस्तकों का निर्माण, या बच्चों और बड़ों के बीच कौशल साझा करने की गतिविधियां पीढ़ियों के बीच पुल का काम कर सकती हैं। आने वाले वर्षों में इसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाएगी। 2050 तक दुनिया की लगभग 22 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की होगी। वृद्धजन समाज और परिवार को ज्ञान, परंपरा और स्वयंसेवा से समृद्ध करेंगे, लेकिन साथ ही उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं, अकेलेपन और सामाजिक उपेक्षा जैसी चुनौतियों का भी सामना करना होगा। इसलिए जरूरी है कि हम आज से ही एक ऐसे समाज का निर्माण करें जिसमें उम्र सम्मान और गरिमा की पहचान बने, न कि उपेक्षा की। प्रश्न है कि दुनिया में वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वृद्ध व्यक्ति ज्ञान और अनुभव के अमूल्य स्रोत हैं और उनके पास शांति, सतत विकास और हमारे ग्रह की सुरक्षा में योगदान करने के लिए बहुत कुछ है।' फिर वृद्धजन क्यों स्वयं को इतना खाली, एकांकी एवं उदासीन बनाये हुए हैं? वृद्धावस्था में खालीपन एक बड़ी समस्या है। कहावत भी है कि खालीपन सजा भी है और मजा भी है। यह वृद्धावस्था को प्राप्त लोगों पर ही निर्भर है कि वे खालीपन में मजा ले रहे हैं, आनन्द ले रहे हैं या उसे सजा बना रहे हैं। धर्म की जड़ पाताल में और पाप की जड़ अस्पताल में, यह साक्षात् अनुभव करते हुए वृद्धजन अपने वृद्धावस्था को उपयोगी बनाये। विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की सार्थकता तभी है जब हम वृद्धों की देखभाल करने के दायित्व का निर्वाह ईमानदारी से करें, जिन्होंने कभी हमारी देखभाल की थी, सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। उम्र दरअसल उन वर्षों की गिनती है जिनमें दुनिया ने हमारे साथ यात्रा की है। बुजुर्ग जीवित पुस्तकालय हैं, जिनमें ज्ञान की अनगिनत दुनिया छिपी है। उनका सम्मान करना अपने भविष्य का सम्मान करना है, और यही शक्ति, अनुग्रह और विरासत को सहेजने का मार्ग है। यह दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम बुजुर्गों को केवल जीने के लिए ही नहीं, बल्कि सम्मान और उत्साह के साथ जीने का अधिकार देंगे। हमें अतीत का सम्मान करना है, वर्तमान को संजोना है और सभी उम्र के लोगों के लिए एक समावेशी भविष्य की आशा करनी है।

- यह लेखक के अपने विचार हैं।

पांच सौ केडेट्स के साथ एसवीएन यूनिवर्सिटी परिसर में चल रहा एनसीसी का संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर

रोमांच से भरे माहौल में राष्ट्र प्रेम के साथ अनुशासन की पाठशाला

शशिकांत दिमोले, सागर।

एक ही परिसर में एक साथ 5 सौ एनसीसी कैडेट्स फायरिंग, ड्रिल, मैप रीडिंग, टेंट पिचिंग, ओ.टी., पी.टी., योगा सहित विभिन्न समसामयिक विषयों का प्रशिक्षण ले रहे हैं । इन कैडेट्स के सर्वांगीण विकास के लिए वाद-विवाद, एकल नृत्य, नाटक, चित्रकला आदि प्रतियोगिताओं का रंगारंग आयोजन किया जा रहा है। बरसात, खिली धूप और उमस भरी हवाओं के बीच कैडेट्स पूरे उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। बटालियन के अफसर व अन्य स्टाफ पूरी गर्मजोशी के साथ इन कैडेट्स को देश का अच्छा नागरिक बनाने व अपने करियर के प्रति आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। पूरा शिविर परिसर रोमांच से लबरेज है। दरअसल प्रदेश बालिका बटालियन एनसीसी सागर के तत्वावधान में 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 18 से 27 अगस्त तक चल रहा है।

एसवीएन (स्वामी विवेकानंद) यूनिवर्सिटी सिरोंजा के परिसर में आयोजित इस शिविर में सीनियर विंग, जूनियर विंग एवं बेस्ट केटेगिरी के कैडेट्स भाग ले रहे हैं।

इनके लिए जरूरी है भाग लेना

एनसीसी के ए, बी एवं सी सर्टिफिकेट परीक्षाओं में सम्मिलित होने के लिए इस प्रकार के वार्षिक प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेना अनिवार्य होता है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से कैडेट्स में अनुशासन, राष्ट्र प्रेम, आपसी मेल-जोल और एकता की भावना विकसित होती है। शिविर के पश्चात् उनके भीतर साहस, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होती है, जो उन्हें भविष्य में सफल नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करती है। यह शिविर कैंप कमांडेंट कर्नल सुजीत डी. देशमुख एवं डिप्टी कैंप कमांडेंट मेजर प्रतिभा तिवारी के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है। व्यवस्थाओं में सूबेदार मेजर धनत्तर सिंह, एडम सूबेदार मेजर सतीश कुमार, सभी पीआई स्टाफ, एएनओ एवं सिविल स्टाफ सक्रिय रूप से शामिल हैं।

इन विधाओं में मिल रही ट्रेनिंग

शिविर में कैडेट्स को फायरिंग, ड्रिल, मैप रीडिंग, टेंट पिचिंग, ओ.टी., पी.टी., योगा सहित विभिन्न समसामयिक विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। साथ ही, उनके सर्वांगीण विकास के लिए वाद-विवाद, एकल नृत्य, नाटक, चित्रकला आदि प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया है, जिससे उनकी प्रतिभा को निखारा जा सके।

ग्रामीण क्षेत्र में भी चोर सक्रिय, जनपद अध्यक्ष के गांव को बनाया निशाना

चोर मचा रहे शोर... हाइवे किनारे दीवार में छेद कर घर में घुसे, लाखों के जेवर और 50 हजार नगदी पर हाथ साफ

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में इन दिनों चोर मचाए शोर वाले हालात बन गए हैं। चोरी की वारदातें लगातार हो रही है। इस बार चोरों ने सिरोंज-भोपाल हाइवे पर ग्राम औराखेड़ी में ग्रामीण के निवास को अपना निशाना बनाया। हाइवे किनारे स्थित स्कूल के पास रहने वाले चरणसिंह यादव बुधवार सुबह उठे तो घर के पिछले हिस्से में स्थित पक्के मकान का गेट भीतर से बंद था। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि जब भीतर कोई सो नहीं रहा है तो फिर दरवाजा बंद कैसे हो गया। वे घर के पीछे गए तो हैरान रह गए। दीवार में बड़ा छेद दिखाई दिया। पास में जाकर देखा तो उनके होश उड़ गए। अज्ञात लोगों ने 8 इंची दीवार में छेद कर दिया था। उन्होंने एक बच्चे को इसी छेद में से भीतर कर दरवाजा खुलवाया और भीतर गए। कमरे का सारा सामान बिखरा हुआ पड़ा था। अज्ञात चोर उनके घर में सेंध लगाकर भाग गए थे।

अज्ञात चोरों ने कमरे में रखा सारा सामान बिखेर दिया था। यहां रखी पलंग पेटी में 50 हजार रूपए नगद और जेवर रखे हुए थे। जो गायब थे। इन जेवरों में सोने का हार, कान के टाप्स, मंगलसूत्र और 4 कंगन के साथ ही चांदी का सामान भी था। इन जेवरों की कीमत लाखों रूपए हैं। औराखेड़ी जनपद अध्यक्ष पुष्पाबाई यादव का गांव हैं। चरणसिंह ने जनपद अध्यक्ष के प्रतिनिधि हमीरसिंह यादव को चोरी की घटना की जानकारी दी।

रंगे हाथों पकड़ाए शातिर चोरी परवेज नकटा को जेल भेजा

थाना प्रभारी बदले....

अब विमलेश राय को सौंपी थाने की कमान

चोरी की लगातार वारदातों की बीच थाना प्रभारी पंकज गीते की विदाई भी हो गई है। वे कुछ महीनों पहले ही सिरोंज के थाना प्रभारी बने थे। उनके आने के बाद से ही चोरी की वारदातों में अचानक इजाफा हो गया था। मंगलवार को एसपी कार्यालय से जारी सूची में उनका स्थानांतरण कुरवाई कर दिया गया है। अब सिविल लाइन विदिशा से विमलेश राय को सिरोंज थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनके साथ ही दीपनाखेड़ा थाना प्रभारी अनुज प्रताप सिंह को आनंदपुर का थाना प्रभारी बनाया गया है।

> चोरी के मामले के एक आरोपी परवेज नकटा को हाल ही जेल भेजा है। चोरी की बाकि वारदातों में जांच के साथ ही आरोपियों की तलाश लगातार चल रही है।
>
> **-सोनू डाबर**
> एसडीओपी सिरोंज

शाम को पहुंची एफएसएल टीम

लेखराज ने मामले की जानकारी सिरोंज थाने में देकर रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस द्वारा उन्हें घटना स्थल पर किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं करने की हिदायत दी गई। इसके बाद शाम को विदिशा से एफएसएल टीम भी पहुंची। टीम के साथ आया डॉग कुछ दूरी पर स्थित एक टपरे तक पहुंचा और वापस लौट आया।

लगातार हो रहीं घटनाएं, पुलिस नहीं कर पा रही खुलासा

पिछले कुछ महीनों में क्षेत्र में चोरी की वारदातों में लगातार इजाफा हुआ है। चोर शहर और गांव कोई भी हिस्सा नहीं छोड़ रहे। शहर के लगभग हर हिस्से में सूने घरों और मंदिरों तक को चोरों ने अपना निशाना बनाया। अब वे ग्रामीण इलाकों को भी नहीं छोड़ रहे। हालात ये है कि चोर पशुओं तक की चोरी कर रहे हैं। बीते दिनों सिरोंज बायपास रोड पर स्थित एक मकान में से चोर तीन लाख रूपए कीमत की भैंस चुरा ले गए थे। इन सभी घटनाओं के आरोपी अभी तक पुलिस की गिरफत से बाहर है।

विश्व फोटोग्राफी दिवस: वरिष्ठ फोटोग्राफरों को किया सम्मानित

गंजबासौदा। फोटोग्राफर एसोसिएशन ने विश्व फोटोग्राफी दिवस पर भावसार पुलिया स्थित रघुवंशी धर्मशाला में कार्यक्रम का आयोजन किया। इससे पहले नगर के फोटोग्राफरों ने बाइक रैली निकाली। यह रैली नगर के मुख्य मार्ग बरेठ रोड से होते हुए भावसार पुलिया होकर रघुवंशी धर्मशाला पहुंची। कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ फोटोग्राफरों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। एसोसिएशन के सदस्य हेमंत पटेल कहा कि फोटोग्राफी जीवन के पलों को सहेज कर रखती है। फोटो के माध्यम से पुरानी यादें हमेशा ताजा रहती हैं। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफी एक चुनौतीपूर्ण पेशा है। नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव, जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी और व्यापार महासंघ के अध्यक्ष विपिन तिवारी ने बृज फोटो स्टूडियो के संचालक बृजमोहन बबेले सहित शहर के बेस्ट फोटोग्राफरों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफर सामाजिक, राजनीतिक और व्यक्तिगत कार्यक्रमों की यादों को संजोने का काम करते हैं। फोटोग्राफर एसोसिएशन के विशाल रघुवंशी ने फोटोग्राफरों की समस्याएं रखीं।

कार्यशाला: जल स्त्रोतों के लिए घातक हैं प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियां

गंजबासौदा। नगर पालिका परिषद द्वारा ईको फ्रेंडली मूर्ति के निर्माण के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से सेंट एसआरएस पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में एक दिवसीय कार्यशाला लगवाई गई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्लास्टर ऑफ पेरिस के उपयोग को रोकना और मिट्टी की प्रतिमाओं के ज्यादा से ज्यादा निर्माण पर जोर देना था। कार्यशाला में मूर्ति विशेषज्ञ अशोक भारद्वाज द्वारा आम लोगों एवं स्कूल के छात्रों को मिट्टी की मूर्ति बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। त्रिलोक भट्ट द्वारा कठपुतली एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर अरविन्द कुमार वैज्ञानिक, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा लोगों को प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनी मूर्ति के पर्यावरण को होने वाले हानिकारक प्रभावों से अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि पीओपी और अन्य हानिकारक पदार्थों से बनी मूर्तियों के विसर्जन से जल प्रदूषण होता है जबकि इको-फ्रेंडली मूर्तियाँ प्राकृतिक रूप से विघटित हो जाती है और जल स्त्रोतों को प्रदूषित नहीं करती है। इको फ्रेंडली मूर्तियों में कोई हानिकारक रसायन नहीं होते हैं और वे पूरी तरह से प्राकृतिक सामग्री से बनी होती हैं जो मानव स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित है। कार्यशाला में नपा स्वच्छता अधिकारी राजेश कुमार नेमा ने बताया कि नपा अध्यक्ष शशि अनिल यादव ने पत्र लिखकर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से उक्त कार्यशाला लगाए जाने की बात कही थी, जिसके बाद यह कार्यशाला लगाई जा रही है। उन्होंने मिट्टी की मूर्ति निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मिट्टी से मूर्ति बनाने पर हमारे मूर्तिकारों को रोजगार मिलता है।

राजीव गांधी की मनाई जयंती

सिरोंज। आधुनिक भारत के प्रणेता, भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी जी की जयंती 'सद्भावना दिवस' के रूप में पर राजीव गांधी हॉस्पिटल सिरोंज में उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर मनाई गई। उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव विनोद सेन ने कहा की 21वीं सदी के स्वप्नदृष्टा राजीव जी ने अपनी दूरदर्शी सोच और प्रगतिशील विचारों से भारत को आधुनिकता और तकनीकी क्रांति की राह पर आगे बढ़ाया। युवाओं को 18 साल में मत अधिकार देकर एक युवा होने का संदेश दिया था। उनकी जयंती पर उनके आदर्शों और सद्भावना के संदेश पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसर खांन,सादिक कुरैशी, सलीम गौरी सहित अनेक कांग्रेस जन उपस्थित थे।

किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेसी लेटते हुए पहुंचे तहसील, विरोध-प्रदर्शन कर की जल्द निराकरण की मांग

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक निशंक जैन के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय पहुँचकर विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता लेटते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे और आक्रोश व्यक्त किया। ज्ञापन में कहा गया कि किसानों को समय पर यूरिया और फसल बीमा उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जिसके कारण किसानों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने माँग की कि किसानों को तुरंत यूरिया उपलब्ध कराया जाए तथा बीमा राशि शीघ्र किसानों के खातों में जमा की जाए। अगर किसानों की मांग पूरी नहीं हुई तो कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी। इस मौके पर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मोहित रघुवंशी, पूर्व मंत्री प्रभु राम चौधरी, पूर्व मंत्री वीर सिंह रघुवंशी, अमित मेहता, पार्षद राहुल ठाकुर उमेश सोनी , जगदीश व्यास ,लालाराम चंदेल मौजूद रहे।

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धिपत्र संख्या 34/2025

निविदा सं. 40252744 जिसके खुलने की तिथि 25/08/2025 थी, जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. EPS/88/2025 के तहत प्रकाशित की गई थी, इसमें निम्न संशोधन किए गए है-**Tender No. & Short Description-**40252744 **Description:-** वाल्व रेगुलेटेड लीड एसिड बैटरी। **Price Variation Clause, Tender Opening date-From-25/08/2025-**1.Clause Description (Commercial- Compliance): PRICE VARIATION CLAUSE (PVC): The basic price of the battery is based on Hindustan Zinc Ltd. ex Chanderiya Lead Zinc smelter Price of Rs..... per MT (exclusive of all statutory duties and taxes) in its price circular prevailing as on "one day before tender closing" for lead purity 99.99%. The basic price will be subject to variation as follows: For every increase or decrease of Rs. 100/- in M/s HZLS ex- chanderiya Lead Zinc Smelter base price of Lead Purity 99.99%, the basic price of 110 V 70Ah VRLA Battery (PL. No. 45178677) will vary upward/downward as Rs. 16.54 per set (exclusive of all statutory duties and taxes). The basic price of M/s HZL Lead purity 99.99% (ex- Chanderiya smelter) in its price circular prevalent one month (i.e. 30 days) prior to date of inspection call for offering the battery set for inspection will be considered for computing the PVC. In case of consignee inspection, the date of dispatch will be treated as date of inspection call offer for the purpose of price variation calculation for payment purpose. **Tender Opening date to-01/09/2025-**The basic price of battery is based on M/s Hindustan Zinc Ltd. ex Chanderiya Lead Zinc smelter price of Rs.201600 per MT (exclusive of all statutory duties and taxes) in its price circular prevailing as on Date 21.07.2025 for lead purity 99.99%. The basic price will be subject to variation as follows: For every increase/decrease of Rs.100.00 in M/s. HZLS ex- Chanderiya Lead Zinc Smelter base price of Lead purity 99.99%, the basic price of 110V 70AH VRLA Battery (PL No. will vary 45178677) upward/downward as Rs.16.54 per set (exclusive of all statutory duties and taxes). The basic price of M/s HZL Lead purity 99.99% (ex-Chanderiya smelter) in its price circular prevalent one 2671975/2025/O/o DY.CMM(S)/HQ/WCR 120 2671975/2025/O/o DY.CMM(S)/HQ/WCR 12,1 month (i.e. 30 days) prior to date of inspection call for offering the battery set for inspection will be considered for computing the PVC. In case of consignee inspection, the date of dispatch will be treated as date of inspection call offer for the purpose of price variation calculation for payment purpose. अद्धतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेवसाईट https://www.ireps.gov.in देखे।

(हस्ता.)

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे/जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

मेट्रो एंकर | पेंच टाइगर रिजर्व में हर साल हाथियों को आराम देने के लिए किया जाता है यह आयोजन

मोगली के घर में गजराज की मौजमस्ती... हो रही है खूब खातिरदारी

सिवनी, एजेंसी।

जिले में मौजूद पेंच टाइगर रिजर्व को मोगली के घर के रूप में जाना जाता है। हर साल की परंपरा के अनुसार आजकल यहाँ के गजराज मौजमस्ती के दिन बिता रहे हैं। दरअसल, यहां हाथी महोत्सव का आयोजन किया जाता है जिसमे हाथियों की जमकर खातिरदारी चलती है। एक हफ्ते तक हाथियों को कोई काम नहीं दिया जाता। यहां पर कुल 11 हाथी मौजूद हैं।

प्रदेश के सिवनी जिले में स्थित पेंच टाइगर रिजर्व अपनी खूबसूरती के लिए पहचाना जाता है। का बघीरा और मोगली किरदार इसी धरती की देन है। देश में यह इकलौता फॉरेस्ट है, जहां काला तेंदुआ पाया जाता है। फिलहाल यहां पर हाथियों के लिए रिजूविनेशन कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इसमें हाथी आराम करते हुए अगले साल तक के लिए फ्रेश हो रहे हैं। हर साल अगस्त या सितंबर में रिजर्व प्रबंधन हाथियों को आराम देने के लिए यह आयोजन करता है। हाथी महोत्सव और रिजूविनेशन कैंप के तहत पेंच नेशनल पार्क के सभी नर-मादा हाथियों को फुल आराम दिया जाता है। इसमें उनको रोजाना नहलाया जाता है। तेल मालिश होती है। इसके बाद उनका पूजन भी किया जाता है और फिर भोजन परोसा जाता है। इसमें इनको सामान्य भोजन के बजाय इनकी पसंद का खाना खिलाया जाता है। मसलन मौसमी फल जिनमें आम, पपीता, अनानास, नाशपाति, केले, नारियल, मक्का, चना, गुड़ सहित अन्य फल सहित अन्य चीजें परोसी जाती है। हाथियों को सजाया भी जाता है और घुमाया भी जाता है।

मन पसंद भोजन, मालिश भी हो रही

टाइगर रिजर्व में अभी कुल 11 हाथी मौजूद है

पेंच टाइगर रिजर्व से मिली जानकारी अनुसार यहां टाइगर की निगरानी और सुरक्षा के लिहाज से हाथी दल में फिलहाल 11 हाथी मौजूद हैं। इनमें 7 नर, 3 मादा और 9 माह का नर बच्चा शामिल है। हाथियों को सामान्य दिनों में टाइगर रिजर्व में पेट्रोलिंग अर्थात टाइगर की सुरक्षा, अभयारण्य क्षेत्र की निगरानी, बाघों के मूवमेंट पर नजर रखने का काम लिया जाता है। बता दें कि 19 अगस्त से 25 अगस्त तक हाथियों का कायाकल्प शिविर चलेगा।

क्षेत्र के लोगों का दशकों पुराना सपना जल्द साकार होने के आसार

चंदेरी-पिपरई रेलवे लाइन.... लोकेशन सर्वे के लिए सेंट्रल लाइन पिलर स्थापित

चंदेरी, एजेंसी।

प्रदेश के अशोकनगर जिले की ऐतिहासिक नगरी चंदेरी के रास्ते पिपरई गांव एवं ललितपुर को जोड़ने वाली 80 किलोमीटर रेल लाइन का सपना साकार होने जा रहा हैं। इसके फाइनल लोकेशन सर्वे का ऑर्डर पिछले साल 27 नवंबर को रेल बोर्ड द्वारा जारी किया गया था और जिसकी जिम्मेदारी पश्चिम मध्य रेलवे मुख्यालय जबलपुर के महाप्रबंधक को दी गई थी। इसके पश्चात टेंडर प्रक्रिया आदि संपन्न होने के बाद फाइनल लोकेशन सर्वे के लिए रेल मंत्रालय द्वारा स्थापित निर्माण नियमावली के अनुरूप सेंट्रल लाइन पिलर्स की स्थापना रेल लाइन मार्ग पर ललितपुर से पिपरई के बीच की जा रही है।

यह सेंट्रल लाइन पिलर चंदेरी के निकट ग्राम निदानपुर, चकराघाट, तगारी,बाँकलपुर, देवलखो, चुरारी आदि स्थानों पर लगा दिए गए हैं और इसकी प्रक्रिया चल रही है, जो निकट भविष्य में संपूर्ण रेल लाइन मार्ग पर लग जाएंगे। इसके पश्चात इसकी डीपीआर तैयार होगी और रेलवे बोर्ड रेल मंत्रालय में प्रस्तुत की जाएगी। इसके पश्चात केंद्रीय कैबिनेट के द्वारा निर्माण राशि की स्वीकृति मिलते ही चंदेरी रेल लाइन पर निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा और बरसों से प्रतीक्षा कर रहे इस क्षेत्र को एक नई रेलवे लाइन की सौगात मिल जाएगी ।

गुना शिवपुरी अशोकनगर संसदीय क्षेत्र के सांसद एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा झांसी ललितपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग शर्मा के सतत प्रयासों से चंदेरी के रास्ते पिपरई ललितपुर रेल लाइन का सपना साकार हो रहा है। इन दोनों ही सांसदों के द्वारा सतत रूप से रेल मंत्रालय में दस्तावेजी साक्ष्य के साथ पत्र व्यवहार किए गए और रेल मंत्री से सतत संपर्क स्थापित रखा। , जिसके फल स्वरुप आज इस महत्वपूर्ण रेल लाइन की सौगात दो संसदीय क्षेत्र को मिल रही है।

चंदेरी के रास्ते पिपरई एवं ललितपुर को जोड़ने वाली 80 किमी रेल लाइन का कार्य

ग्राउंड जीरो पर जाकर सेंट्रल लाइन पिलर्स देखे

चंदेरी के समाजसेवी उमेश पुरोहित ने इस रेलवे लाइन का सपना 1977 में देखा था। 48 साल बाद उनका सपना वे साकार होते देख रहे हैं। ग्राउंड जीरो पर उनके द्वारा जब स्थिति देखी गई तो उनकी आंखें सजल हो गई। अन्य लोगों ने भी ग्राउंड जीरो पर जाकर सभी सेंट्रल लाइन पिलर्स को अपनी आंखों से देखा और वास्तविक स्थिति जानी । पुरोहित ने कहा कि आज मेरी खुशी का ठिकाना नहीं है। मैं 48 वर्ष पूर्व देखे सपने को साकार होते देख रहा हूं। , मैंने अपने जीवन काल में यह कल्पना नहीं की थी कि मैं यह देख पाऊंगा परंतु सभी के सहयोग एवं रेल मंत्रालय की मेहरबानी से मैं यह देख पा रहा हूं। इसके लिए क्षेत्रीय सांसद सिंधिया और रेल मंत्री भारत सरकार अश्विनी वैष्णव का उन्होंने आभार जताया।

उमरिया में भीषण सड़क हादसे में युवक की मौत, महिला घायल

उमरिया। जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाइवे 43 के कन्नाबहरा इलाके में एक सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक महिला घायल हो गई। पाली पुलिस के अनुसार मंगलवार देर रात युवक अपनी मोटर साइकल से बुढ़ार नगर अपने भाई के पास जा रहा था तभी सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी युवक घटना स्थल पर ही मौत हो गई और अज्ञात महिला गंभीर रूप से घायल हो गई जिनको ग्रामीणों की मदद से शहडोल जिला अस्पताल भेजा गया। बाइक चला रहा युवक ने हेलमेट नहीं लगाया था। सूचना मिलने के बाद पहुंची घुनघुटी पुलिस ने शव को मर्चुरी भिजवाया और मृतक की शिनाख्त रवि सोनी पुत्र स्वर्गीय विनोद सोनी निवासी ग्राम हर्रवाह हाल मुकाम विकटगंज उमरिया के रूप में हुई। अज्ञात महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी।

वर्ल्ड फोटोग्राफी डे: फोटो प्रदर्शनी में दिखे छायकारों के विविध अंदाज

जबलपुर। वर्ल्ड फोटोग्राफी डे पर जबलपुर में प्रतिवर्ष अनुसार फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर परमिलन फोटोग्राफिक समिति द्वारा आयोजित इंद्रधनुष 16 के दूसरे दिन सोनी कंपनी द्वारा अपने कमरे एवं लैंस का प्रदर्शन फोटोग्राफर के लिए किया गया। साथ ही डाटा रिकवरी पर एक वर्कशॉप भी आयोजित की गई जिसमे छायाकारों को यह बताया और समझाया गया कि क्यों आपका डेटा खराब हो सकता है और फिर उसको किस तरह से रिकवर किया जाता है। आप कैसे इससे बच सकते हैं। शहर में बारिश के बाद भी कला प्रेमियों का दिन भर छायाचित्रों को देखने के लिए आने का सिलसिला जारी रहा। इस छायाचित्र प्रदर्शनी में युवाओं से लेकर अनुभवी छायाकारों के मनमोहक चित्रों का प्रदर्शन किया गया है। नवोदित छायाकारो ने बताया कि इस एग्जीबिशन के माध्यम से हम लोगों को फोटोग्राफी के बारे में काफी कुछ जानने सीखने का अवसर मिला । इस तरह के आयोजन हमारे लिए मददगार होते हैं। ,लोगों को पिक्टोरियल, फ़ैशन,विभिन्न पक्षियों , जानवरों , रंग-बिरंगे परिधान में भगोरिया के आदिवासी और इस वर्ष आयोजित महा कुंभ के चित्र आदि लोगों को आकर्षित करते रहे। लोगों की मांग पर प्रदर्शनी को एक दिन के लिए और बढ़ाया गया है यह प्रदर्शन आज 21 अगस्त को भी लोगों के लिए खुली रहेगी। मिलन फोटोग्राफिक समिति ने सभी छायाकारों एवं कला प्रेमियों से प्रदर्शनी में आने का आग्रह किया है।

राज्यपाल ने लगाई पाठशाला विद्यार्थियों के साथ पहुंचे नेता भी

सिवनी। । दोपहर मेट्रो

प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने गत दिवस सिवनी जिले के झोला में पाठशाला लगाई। क्लास के अंदर उन्होंने बच्चों से सीधा संवाद किया। इस दौरान क्लास में उनके साथ मंत्री और जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद थे। राज्यपाल सिवनी पहुंचे थे। यहां उन्होंने झोला गांव में प्रवास के दौरान प्राथमिक शाला झोला का भी निरीक्षण किया। राज्यपाल ने विद्यालय भवन एवं कक्षाओं का अवलोकन कर शिक्षण व्यवस्था और विद्यार्थियों की प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान राज्यपाल ने बच्चों से आत्मीय संवाद स्थापित किया। उन्होंने बच्चों से सामान्य ज्ञान के सवाल किए तो बच्चों से भी बड़े उत्साह के साथ जवाब दिए। इस दौरान छात्राओं ने अपनी जिज्ञासा दिखाते हुए महामहिम से सवाल पूछ डाले। बच्चों का आत्म विश्वास देखकर राज्यपाल भी प्रसन्न हो गए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा जीवन को नई दिशा देती है। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे पूरी निष्ठा और मन लगाकर पढ़ाई करें, अपनी प्रतिभा को निखारें और आगे चलकर समाज की सेवा करें।

बुरहानपुरः वाहन चालक उड़ा रहे यातायात नियमों की धज्जियां

सड़कों पर खटारा वाहन... आरटीओ व यातायात विभाग की लापरवाही से लोगों की जान खतरे में

बुरहानपुर। दोपहर मेट्रो

शहर की मुख्य और अंदर की सड़कों पर पर इन दिनों खटारा और बिना कागजात के वाहन बेतहाशा दौड़ते दिखाई दे रहे हैं। टू-व्हीलर, थ्री-व्हीलर और फोर-व्हीलर वाहन न केवल ट्रैफिक नियमों का खुला उल्लंघन कर रहे हैं, बल्कि आम नागरिकों की जिंदगी के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, अधिकांश थ्री-व्हीलर ऑटो बिना परमिट, इंश्योरेंस, फिटनेस और ड्राइविंग लाइसेंस के ही सड़क पर फर्राटा भर रहे हैं। कई ऑटो चालक तो नाबालिग हैं, जो बिना प्रशिक्षण और कानूनी अनुमति के यात्रियों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। वहीं, बड़ी संख्या में ऐसे वाहन भी चल रहे हैं जिनकी नंबर प्लेट तक गायब है, जिससे उनकी पहचान करना भी मुश्किल हो जाता है। बिना कागजात और टैक्स जमा किए वाहन सड़क पर दौड़ रहे हैं, जिससे सरकार के खजाने को बड़ा नुकसान हो रहा है। परिवहन विभाग और यातायात थाना प्रभारी की आंखों के सामने यह सब हो रहा है, लेकिन कार्रवाई केवल दिखावे तक ही सीमित रह जाती है। सड़क पर थोड़ी देर धरपकड़ कर औपचारिकता निभाई जाती है और फिर वही वाहन दोबारा सड़कों पर लौट आते हैं। बिना कागजात वाले वाहन आए दिन दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। शहरवासियों में यह सवाल गूंज रहा है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही जागेगा?

नागरिकों की मांगः तुरंत हो सख्त कार्रवाई

शहर के जागरूक नागरिकों का कहना है कि यदि जल्द से जल्द इन वाहनों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो कभी भी भयावह हादसे हो सकते हैं। नागरिकों ने जिला प्रशासन, आरटीओ और यातायात पुलिस से मांग की है कि बिना लाइसेंस, बिना परमिट और बिना नंबर प्लेट के वाहन तुरंत जब्त किए जाएं, ताकि सड़कों पर व्यवस्था कायम हो सके और लोगों की जान बच सके।

नाबालिग को गाड़ी से कुचला, मौत

मुरैना। जिले में एक सनकी युवक ने एक तरफा प्यार में एक नाबालिग युवती को बोलेरो गाड़ी से कुचलकर मार डाला। परिजन का आरोप है कि आरोपी युवक कई दिनों से बेटी को परेशान कर रहा था और कुछ दिन पहले घर में आकर धमकी भी दी थी कि अगर तू मेरी नहीं हो सकती तो मैं तुझे किसी और का भी नहीं होने दूंगा। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। घटना मुरैना जिले के कुरैरौली गांव की है जहां रहने वाली एक नाबालिग लड़की से गांव का ही रहने वाला एक युवक एक तरफा प्यार करता था लेकिन लड़की उसे पसंद नहीं करती थी। सनकी युवक कई दिनों से नाबालिग का पीछा कर रहा था लेकिन जब लड़की ने उस पर ध्यान नहीं दिया तो उसने नाबालिग लड़की की जान ले ली। बताया जा रहा है नाबालिग लड़की नहर के पास से जा रही थी तभी आरोपी युवक बोलेरो लेकर आया और उसे टक्कर मारकर कुचलते हुए भाग गया। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

रहस्यमय ढंग से लापता हुई बैतूल की युवती

रायपुर से घर जाने के लिए ट्रेन पर चढ़ी और हो गई लापता, फोन बंद

बैतूल। दोपहर मेट्रो

कटनी जिले की अर्चना तिवारी के लापता होने की गुत्थी अभी सुलझी ही है कि अब बैतूल जिले से एक युवती के लापता होने की खबर आ गई है। जिले के आठनेर थाना क्षेत्र के खेरवाड़ा गांव में रहने वाली 20 साल की युवती तीन दिन पहले रायपुर से अपने घर आने के लिए निकली थी, लेकिन अब तक घर नहीं पहुंची है। परिजन उसकी तलाश में परेशान हो रहे हैं। परिजनों ने थाने में सूचना दी है।

जानकारी के अनुसार ज्योति पिछले दो माह से रायपुर में एक निजी कंपनी में काम कर रही थी और हॉस्टल में रह रही थी। बीते रविवार को उसने सुबह करीब 11 से 12 बजे के बीच भाई को फोन किया था और बताया था कि वह ट्रेन से बैतूल के लिए रवाना हो रही है। दोपहर करीब 3 बजे के बाद उसका मोबाइल बंद हो गया और तब से परिजनों का संपर्क उससे नहीं हो पा रहा है। ज्योति के परिजनों ने उसके साथ काम करने वाली सहेलियों से संपर्क किया। उन्होंने भी यही बताया कि युवती रविवार सुबह ही ट्रेन से घर के लिए रवाना हो गई थी। लेकिन वह न तो घर पहुंची और न ही हॉस्टल लौटी। युवती को सोमवार सुबह बैतूल पहुंच जाना चाहिए था। मोबाइल बंद रहने और युवती का कोई सुराग न मिलने से परेशान परिवार ने मंगलवार शाम आठनेर थाने में शिकायत की है। पुलिस ने युवती की तलाश शुरू कर दी है और रेलवे स्टेशन, आसपास के इलाकों सहित संभावित ठिकानों पर जांच की जा रही है। तीन दिन से युवती का कोई सुराग न मिलने से परिजनों को कई तरह की आशंकाएं सताने लगी हैं।

घरों में पानी भरा, लोगों ने किया चक्काजाम

गंजबासौदा। जेल रोड के रहवासियों के लिए बारिश मुसीबत बनी हुई है। तेज बारिश से वार्डवासियों के घरों पानी भर गया जिससे आक्रोशित लोगों ने सड़कों पर निकलकर चक्काजाम कर दिया। चक्काजाम से वाहनों की सड़क के दोनों ओर लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और वार्ड के लोगों को आश्वासन दिया तब जाकर लोगों ने जाम खोला। वार्ड के लोगों का कहना है कि सीसी सड़क का निर्माण तो कर दिया लेकिन अभी पानी निकासी के कोई इंतजाम नहीं किए हैं।

खाद का टोटा, पूर्व गृह मंत्री का सीएम को पत्र

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में डीएपी यूरिया की कमी से किसान बेहाल हैं हर दूसरे तीसरे दिन किसान भरी बरसात में प्रदर्शन करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। अब पूर्व गृह मंत्री और विधायक भूपेंद्र सिंह की विधानसभा खुरई में किसान आंदोलन कर रहे हैं। इस मामले को लेकर भूपेंद्र सिंह ने सीएम मोहन यादव को पत्र लिख कर खाद की आपूर्ति कराने का अनुरोध किया है

श्री सिंह ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि खुरई विधानसभा क्षेत्र में डीएपी की उपलब्धता कराई जाये। पत्र में सिंह ने बताया है कि खुरई में किसानों को खरीफ सीजन में पर्याप्त मात्रा में डीएपी, यूरिया खाद उपलब्ध न होने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले एक माह के दौरान खुरई तहसील के किसानों में डीएपी एवं यूरिया की भारी मांग है, परन्तु डबल लॉक गोदाम खुरई में एक माह से डीएपी,यूरिया उपलब्ध नहीं है।

दो-तीन दिन पूर्व राज्य कृषि उद्योग विकास निगम लिमि. से खुरई में कुछ डीएपी आया है, परन्तु सर्वर की परेशानी एवं एग्रो कर्मचारियों की अव्यवस्थित वितरण प्रक्रिया के कारण उसका वितरण समय पर नहीं हो सका है। ऐसी ही स्थिति मालथौन तहसील में भी है, यहां खाद के साथ नैनो यूरिया की बॉटल किसानों को जबरन वितरित की जा रही है। यहां भी डीएपी उपलब्ध नहीं है। खाद वितरण से नाराज किसानों ने खुरई-पठारी वॉयपास मार्ग पर चक्काजाम भी किया गया जिससे करीब दो घण्टे तक यातायात बाधित रहा।

अज्ञात वाहन ने छह गाय को कुचला, जताया विरोध

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले के बेरखेड़ी के समीप अज्ञात वाहन चालक ने गायों को कुचल लिया। हादसे में 6 गाय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ गंभीर रूप से घायल हैं। वाहन चालक वाहन लेकर भाग गया। सूचना पर गोरक्षा संगठन से जुड़े युवा व पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गाय को शव को सड़क से उठवाया। ज्ञात हो कि कलेक्टर ने गत माह ही निर्देश दिए थे कि सड़कों से मवेशियों को हटाने राजस्व अधिकारी लापरवाही न बरतें। प्रत्येक सड़क को मवेशियों से मुक्त किया जाए ताकि हादसों पर लगाम लग सके। लेकिन कलेक्टर के निर्देश एक माह भी नहीं चल पाए और जिलेभर में सड़कों पर मवेशियों को जमावड़ा हो रहा है। इससे मवेशी और वाहन चालकों की भी जान पर बनती है। वहीं इस हादसे के बाद जब प्रशासन ने सड़क से मृत मवेशियों को हटाने के लिए क्रेन का सहारा लिया तो गोरक्षा संगठन के लोगों ने इसका विरोध भी किया।

मृत मवेशियों को हटाने के लिए क्रेन का सहारा

मेट्रो एंकर | विक्रम यूनिवर्सिटी की पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में हुई लिखित परीक्षा

अगले माह से आकाशवाणी उज्जैन केंद्र से गूंजेगा... जय महाकाल...

उज्जैन, एजेंसी

उज्जैन में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के प्रयासों से केंद्र सरकार से मिले आकाशवाणी केंद्र की तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। चयन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। लिखित परीक्षा सम्पन्न होने के बाद चयनित प्रतिभागियों का स्वर परीक्षण और साक्षात्कार होगा। लिखित परीक्षा विक्रम विवि की पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में संपन्न हुई।

महाकाल की नगरी उज्जैन में सितम्बर माह में अपने स्वयं के आकाशवाणी केंद्र से जय महाकाल....का घोष गूंजेगा। बुधवार को विक्रम विवि के सतत् शिक्षा अध्ययनशाला परिसर स्थित पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में आकाशवाणी केंद्र के लिए उद्घोषणा कार्य, महिला कार्यक्रम, ग्रामसभा, युववाणी पदों हेतु लिखित परीक्षा में 100 से अधिक आवेदक शामिल हुए। इस दौरान विक्रम विवि के कुलगुरू प्रो. अर्पण भारद्वाज,आकाशवाणी भोपाल के कार्यक्रम प्रमुख राजेश भट्ट और सतत् शिक्षा अध्ययनशाला के प्रभारी डॉ.सुशील कुमार शर्मा उपस्थित थे। राजेश भट्ट ने बताया कि यह चयन प्रक्रिया किसी नियमित रोजगार के लिए नहीं हुई। इसमें चयनित प्रतिभागियों को कार्यक्रम संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जब जैसी आवश्यकता, के आधार पर प्रस्ताव दिया जाएगा। संभावना है कि उज्जैन केंद्र सितम्बर में ही अपना कार्य प्रारंभ करे। उन्होने बताया कि चयनित प्रतिभागियों का स्वर परीक्षण आज 21 अगस्त को प्रातः 9 बजे से हो रहा हैं । इसमें चयनितों का साक्षात्कार 22 अगस्त को होगा। उत्तीर्ण प्रतिभागियों को उद्घोषक, ग्रामसभा विक्रम, युववाणी, महिला सभा तथा अन्य विशेष कार्यक्रमों में कार्य करने का अवसर मिलेगा।

जल्द ही क्षेत्रीय कलाकारों को मिलेगा नया मंच

भट्ट ने बताया कि उज्जैन में आकाशवाणी केंद्र से प्रसारण के साथ क्षेत्रीय कला, कलाकारों और संस्कृति को एक नया मंच मिलेगा। लोक संस्कृति से जुड़े विशेषज्ञ,कवियों, लेखकों और मालवी संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। उज्जैन और मालवा की लोककथाएं, भजनों की परंपरा, पंडे-पुजारियों की वाणी और शिप्रा की संस्कृति गूंजेगी।

शादीशुदा जिंदगी पर रहा सस्पेंस

टेनिस की परम सुंदरी हुईं अब ऐसी बड़ी-बड़ी मॉडल भी इनके सामने फेल

नई दिल्ली , एजेंसी

अन्ना कुर्निकोवा... टेनिस कोर्ट पर कदम रखने वाली सबसे ग्लैमरस और आकर्षक एथलीटों में से एक रही हैं। करियर में सिंगल्स में वह विश्व नंबर-8 तक पहुंचीं और दुनिया की सबसे सेक्सी महिला का खिताब भी उनके नाम हुआ। लेकिन इस हफ्ते, यह पूर्व टेनिस आइकन पूरी तरह माँ के किरदार में दिखीं। महीनों पहले की स्वास्थ्य चिंताओं के बाद अब अपने बच्चों के साथ खुले अंदाज में नजर आईं। साल की शुरुआत में जब 44 साल की अन्ना कुर्निकोवा मियामी के बाल हार्बर शॉपिंग सेंटर में व्हीलचेयर पर और पैर में ऑर्थोपेडिक बूट लगाए दिखीं थीं, तो फैन्स हैरान रह गए थे। मगर 8 महीने बाद तस्वीरें बिल्कुल अलग हैं। अन्ना अपने तीन बच्चों- जुड़वां लूसी और निकोलस (7 साल) और छोटी मैरी (5 साल) को मार्शल आर्ट्स क्लास ले जाती दिखीं। अन्ना कुर्निकोवा ने सिंपल-सा लुक चुना। सफेद हुडी, ब्लैक बाइक शॉर्ट्स और नाइकी स्नीकस।'बालों को काले स्क्रंची से बांधकर उनका ग्लैमर और नैचुरल चार्म और भी निखर गया। वहीं उनके बच्चे कराटे क्लास के लिए पूरी तरह तैयार थे। बड़ी बेटी लूसी के हाथ में टेडी बियर ने इस पूरे फैमिली-मोमेंट को मासूमियत और मिठास से भर दिया। 2003 में चोटों के चलते टेनिस से संन्यास लेने वाली अन्ना अब स्पेनिश पॉप स्टार एनरिक इग्लेसियस के साथ मियामी में रहती हैं। दोनों की मुलाकात 2001 में म्यूजिक वीडियो Escape के दौरान हुई थी।

करियर और ग्लैमर की चमक

कुर्निकोवा ने मई 2003 में टेनिस करियर को अलविदा कहा। उन्होंने 16 डबल्स खिताब जीते और नवंबर 1999 में डबल्स की वर्ल्ड नंबर-1 बनीं। उसी साल उन्होंने मार्टिना हिंगिस के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था। सिंगल्स में वह 1997 विम्बलडन के सेमीफाइनल तक पहुंचीं और ओपन एरा में ऐसा करने वाली दूसरी महिला बनीं। इसके अलावा 2001 ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं, लेकिन लगातार चोटों, खासकर पीठ की समस्याओं के कारण उन्हें 21 साल की उम्र में ही रिटायर होना पड़ा। कोर्ट के बाहर भी उनका करियर खूब चमका। वह मॉडलिंग में भी उतनी ही मशहूर रहीं। 2002 में उन्होंने ब्रिटनी स्पीयर्स और जेनिफर लोपेज जैसी स्टार्स को पीछे छोड़कर दुनिया की सबसे सेक्सी महिला का ताज का खिताब जीता। 2010 में उन्हें बसे आकर्षक टेनिस स्टार घोषित किया गया।

आईसीसी वनडे गेंदबाजी रैंकिंग

शीर्ष पर पहुंचे दक्षिण अफ्रीका के महाराज भारत के कुलदीप एक पायदान फिसले

नई दिल्ली , एजेंसी

आईसीसी ने वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग जारी कर दी है। जारी की गई लिस्ट में दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज केशव महाराज ने लंबी छलांग लगाकर रैंकिंग के शीर्ष पर पहुंच हैं। केशव महाराज दो स्थान की छलांग लगाते हुए 687 अंक के साथ पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। बता दें कि महाराज ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट लेकर सीरीज के पहले वनडे में दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें इस प्रदर्शन का ईनाम भी मिल गया।

वहीं श्रीलंका के महेश तीक्ष्णा और भारत के कुलदीप यादव को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। तीक्ष्णा दूसरे जबकि कुलदीप तीसरे स्थान पर चले गए हैं। नामीबिया के बर्नार्ड स्कोल्ट्ज चैथे, अफगानिस्तान के राशिद खान पांचवें, न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनर छठे, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी सातवें, श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा आठवें, भारत के रवींद्र जडेजा नौवें और ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा दसवें स्थान पर हैं।

शीर्ष 10 गेंदबाजों में 9 स्पिनर

शीर्ष 10 गेंदबाजों में 9 गेंदबाज स्पिनर हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी एकमात्र तेज गेंदबाज हैं, जिनका नाम वनडे के शीर्ष दस गेंदबाजों की सूची में शामिल है। केशव महाराज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार को हुए वनडे मैच में 10 ओवर में 33 रन देकर 5 विकेट लिए। उनके दमदार प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 98 रन से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 297 रन की जरूरत थी। केशव महाराज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए मैच में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। महाराज दक्षिण अफ्रीका की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 300 विकेट लेने वाले पहले स्पिनर बन गए हैं। महाराज ने 59 टेस्ट में 203, 49 वनडे में 63 और 39 टी20 में 38 विकेट लिए हैं। उनके कुल अंतरराष्ट्रीय विकेटों की संख्या 304 है। शॉन पोलॉक 823 विकेटों के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के सबसे सफल गेंदबाज हैं। पोलॉक ने 421 टेस्ट, 387 वनडे और 15 टी20 विकेट लिए हैं।

आईसीसी की वनडे बैटर्स रैंकिंग से रोहित-कोहली के नाम गायब

दुबई। आईसीसीकी ताजा रैंकिंग से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के नाम गायब हो गए हैं। पिछले हफ्ते 13 अगस्त को जारी रैंकिंग में दोनों भारतीय बल्लेबाज टॉप-5 में शामिल थे। रोहित शर्मा नंबर-2 पर थे, जबकि विराट कोहली नंबर-4 पर थे। लेकिन, बुधवार को जब वनडे बैटर्स की रैंकिंग जारी हुई तो उसमें न तो रोहित शर्मा का नाम था और न ही विराट कोहली का। संभव है कि, यह किसी गलती या तकनीकी कारण से हुआ हो। क्योंकि, आईसीसी की रैंकिंग में इससे पहले भी गलतियां हो चुकी हैं, जिन्हें बाद में ठीक कर लिया गया था। 3 साल पहले आईसीसीकी ने भारतीय टीम को गलती से टेस्ट की नंबर-1 टीम बना दिया था। फिर करीब ढाई घंटे के बाद इस गलती को ठीक किया गया था।

डल झील में पहले खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल में मप्र के 44 खिलाड़ी दिखाएंगे जौहर

भोपाल। जम्मू-कश्मीर स्थित प्रतिष्ठित डल झील में प्रथम खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल-2025 का आयोजन 21 से 23 अगस्त तक किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस आयोजन में मध्य प्रदेश के 44 प्रतिभाशाली खिलाड़ी एवं 10 सहायक स्टाफ सहित कुल 54 सदस्यों का दल शामिल होगा। मप्र राज्य वॉटर स्पोर्ट्स रोइंग अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक दलबीर सिंह भी दल में शामिल हैं।

मुख्य प्रशिक्षक दलबीर सिंह ने बताया कि खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 में तीन खेलों का अभियान किया जा रहा हैं, जिसमें मध्य प्रदेश के खिलाड़ी दो खेलों रोइंग और क्याकिंग-केनोइंग में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल- 2025 जम्मू-कश्मीर में प्रतिभागिता करने जा रहे मध्य प्रदेश के सभी वॉटर स्पोर्ट्स के प्रतिभावन खिलाड़ियों को शानदार खेल का प्रदर्शन कर विजेता बनने के लिए उत्साहित करते हुये शुभकामनाएं दी हैं।

गौरतलब है कि खेलो इण्डिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण खेल प्रतियोगिता है। प्रतियोगिता में 5 खेलों रोइंग, क्याकिंग केनोइंग (पदकीय स्पर्धा), वॉटर स्कींग, डेगन बोट और शिकारा स्प्रिंट (डेमो खेल) शामिल किये गये हैं। आयोजन में देश के 36 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के लगभग 400 खिलाड़ी प्रतिभागिता कर रहे हैं।

एशिया कप हॉकी के लिए हरमनप्रीत की अगुवाई में भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली। 29 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में होने वाले पुरुष हॉकी एशिया कप के लिए हॉकी इंडिया ने हरमनप्रीत सिंह की अगुआई में भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। 18 सदस्यीय टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का बेहतर संतुलन है। कृष्ण बी पाठक और सूरज करकेरा का चयन गोलकीपर के रूप में किया गया है। कप्तान हरमनप्रीत, अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह रक्षात्मक पंक्ति को मजबूती प्रदान करेंगे। मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह शामिल हैं। आक्रमण की कमान मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह संभालेंगे। नीलम संजीव जेस और सेल्वम कार्थी को वैकल्पिक खिलाड़ियों के रूप में चुना गया है। टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, हमने एक अनुभवी टीम चुनी है, जो दबाव में बेहतर प्रदर्शन करना जानती है। एशिया कप हमारे लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन दांव पर है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

रुक्मिणी वसंत बनीं यश की टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फ़ॉर ग्रोन-अप्स का हिस्सा

यश की टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फ़ॉर ग्रोन-अप्स में पाँचवीं हीरोइन कौन होगी, इस सस्पेंस का परदा अब हट चुका है। खबर पक्की है कि एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत शुरू से ही फिल्म का हिस्सा थीं, बस मेकर्स ने जानबूझकर उनकी एंट्री को गुपचुप रखा था। सूत्रों की मानें तो रुक्मिणी ने पहले ही मुंबई शेड्यूल में यश के साथ कई सीन शूट कर लिए हैं और अब उनके हिस्से की बस कुछ दिन की शूटिंग बाकी है। स्रोत ने बताया - फिल्म की कहानी हमेशा से दमदार फीमेल किरदारों पर टिकी हुई है और रुक्मिणी का रोल भी उतना ही स्ट्रॉन्ग है। वो कहानी में जबरदस्त असर लेकर आती हैं। टीम चाहती थी कि ये सरप्राइज़ आखिर तक बना रहे, इसलिए उनका नाम अभी तक छुपाया गया था। अब रुक्मिणी भी जुड़ गईं हैं टॉक्सिक की शानदार हीरोइनों की लाइन-अप में – जिसमें पहले से ही कियारा आडवाणी, नयनतारा, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी जैसी स्टार्स शामिल हैं। हर कोई फिल्म के नैरेटिव को और गहराई देने वाला है। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी रही ये फिल्म फिलहाल मुंबई में शूट हो रही है और इसका वर्ल्डवाइड रिलीज़ डेट फिक्स है - 19 मार्च 2026। साथ ही ये एक माइलस्टोन भी है क्योंकि टॉक्सिक पहली बड़ी फिल्म है जो एक साथ कन्नड़ और इंग्लिश में शूट हो रही है और फिर हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में डब होकर रिलीज़ होगी।

मेट्रो बाजार

एनईबीपी के तहत भारतीय सड़कों पर चल रही हैं 14,329 इलेक्ट्रिक बसें : केंद्र सरकार

नई दिल्ली । राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक बस कार्यक्रम (एनईबीपी) के तहत भारत में अब 14,329 इलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर चल रही हैं, यह जानकारी बुधवार को सरकार द्वारा संसद को दी गई। सरकार ने पीएम-ई-बस सेवा और पीएम ई-ड्राइव जैसी कई योजनाएं शुरू की हैं, जो इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं। इस महीने की शुरुआत में, केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक बसों, एम्बुलेंस और ट्रकों के लिए पीएम ई-ड्राइव योजना को दो साल के लिए बढ़ाकर मार्च 2028 कर दिया। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, यह योजना अब मार्च 2026 के बजाय मार्च 2028 में समाप्त होगी। अधिसूचना के अनुसार, इस योजना के लिए निधि आवंटन को 10,900 करोड़ रुपए पर बरकरार रखा गया है और योजना के तहत कोई अतिरिक्त आवंटन नहीं किया जाएगा। इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए प्रोत्साहन मार्च 2026 तक समाप्त हो जाएंगे। जुलाई में, सरकार ने पीएम ई-ड्राइव पहल के तहत इलेक्ट्रिक ट्रकों (ई-ट्रकों) के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से एक बड़ी योजना शुरू की थी।

टाटा मोटर्स ने छह साल बाद अफ्रीका के यात्री कार बाजार में फिर से कदम रखा

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर टाटा मोटर्स ने बुधवार को घोषणा की कि उसने छह साल बाद दक्षिण अफ्रीका के यात्री वाहन बाजार में फिर से प्रवेश किया है। कंपनी ने तीन एसयूवी और एक एंट्री-लेवल की कॉम्पैक्ट हैचबैक लॉन्च की है। टाटा मोटर्स ने दक्षिण अफ्रीकी बाजार में पंच (कॉम्पैक्ट एसयूवी), कर्व (कूप इंस्पायर्ड एसयूवी), टियागो (हैचबैक) और हैरियर (प्रीमियम एसयूवी) जैसे मॉडल लॉन्च किए हैं। ये सभी मॉडल पारंपरिक ईंधन (पेट्रोल-डीजल) पर आधारित हैं और सितंबर से बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा, दक्षिण अफ्रीका में हमारी वापसी टाटा मोटर्स की वैश्विक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम अपनी नई पीढ़ी के वाहनों को अत्याधुनिक तकनीक, बेजोड़ सुरक्षा और आधुनिक डिजाइन के साथ एक ऐसे बाजार में लाने के लिए उत्साहित हैं जो सुरक्षा, गुणवत्ता और इनोवेशन को महत्व देता है। मोटस को अपना पसंदीदा साझेदार बनाकर, हमें ग्राहकों एक बेहतरीन ओनरशिप एक्सपीरियंस प्रदान करने का विश्वास है जो दक्षिण अफ्रीका की स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी सार्थक योगदान देगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कंपनी 40 डीलरशिप के माध्यम से काम करेगी, जिसे 2026 तक 60 तक विस्तारित करने की योजना है। टाटा के पैसेंजर कार डिवीजन ने दक्षिण अफ्रीका में मोटस होल्डिंग्स को अपना एक्सक्लूसिव डिस्ट्रीब्यूटर नियुक्त किया है।

अक्षरा ने ग्रीन साड़ी में बिखेरा जलवा

भोजपुरी फिल्मों की अभिनेत्री अक्षरा सिंह बेहतरीन अभिनय और अद्भुत स्टाइल के लिए चर्चा में रहती हैं। वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं। इस कड़ी में अक्षरा ने बुधवार को एक वीडियो पोस्ट किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह ग्रीन कलर की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उनकी मुस्कान को देख फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। वीडियो में अक्षरा का आकर्षक लुक, हल्की-सी मुस्कान और स्टाइलिश पोज फैंस को लुभा रहा है। वह साड़ी में अलग-अलग अंदाज में वीडियो शूट करवा रही हैं। कभी वह सामने से चलकर आती दिख रही हैं, तो कभी पेड़ों के पीछे से पोज दे रही हैं। वह अपने पल्लू को हवा में उड़ाते हुए मौसम का मजा लेती हुई भी नजर आ रही हैं। उनका यह लुक न केवल उनकी खूबसूरती को बयां करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वे सादगी के साथ-साथ फैशन के मामले में भी किसी से पीछे नहीं हैं। वीडियो में अक्षरा ने रोमांटिक शॉर्ट फिल्म बम्बलिंग का गाना फाइनली वी मेट ऐड किया है।

अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, सच्ची खूबसूरती ध्यान खींचने की कोशिश नहीं करती, लोग खुद ही उसे पसंद करने लगते हैं। उनके इस पोस्ट पर फैंस की तेजी से प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई फॉलोअर्स तो उनके लुक की तारीफ कर रहे हैं, तो कई उनके लिखे कैप्शन को दिल से महसूस करते हुए कमेंट्स कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, आपकी आंखों में छुपा दर्द साफ झलकता है, लेकिन जिस हिम्मत से आप मुस्कुरा रही हैं, वो काबिल-ए-तारीफ है। अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी विवादों में रह चुकी हैं। उनका नाम भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह से जुड़ चुका है। एक समय था जब दोनों का रिश्ता सुर्खियों में रहा, लेकिन वक्त के साथ यह रिश्ता कड़वाहट में बदल गया। अलगाव के बाद अक्षरा ने पवन सिंह पर शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना जैसे गंभीर आरोप लगाए, जिससे उनके व्यक्तिगत जीवन में काफी उथल-पुथल मची।

छेड़छाड़ का मामला दर्ज, कटारा हिल्स स्थित पॉश कॉलोनी की घटना

आवारा कुत्तों के भौंकने पर प्रोफेसर ने महिला को घर से हाथ पकड़कर खींचा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

आवारा कुत्तों के भोंकने पर पॉश कॉलोनी में रहने वाले प्रोफेसर ने कॉलोनी की महिला से बदसलूकी कर दी। पुलिस ने उक्त मामले में महिला की शिकायत पर प्रोफेसर के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। दरअसल, महिला आवारा कुत्तों को खाना खिलाती है। उनके घर के सामने प्रोफेसर को कुत्तों ने भोंक दिया। इससे नाराज प्रोफेसर महिला के घर के बाउंड्री के गेट पार करते हुए मुख्य गेट तक पहुंच गए। गेट

फाइल फोटो

खटखटाने पर महिला ने गेट खोला तो उन्होंने हाथ पकड़कर बदसलूकी कर दी।

पुलिस के अनुसार इलाके की एक पॉश कॉलोनी में रहने वाली महिला निजी स्कूल में टीचर थी। इन दिनों वह घर पर ही रहती हैं और ट्यूशन पढ़ाती है। शाम वह घर पर थी। इसी बीच मोहल्ले में रहने वाले नारायण गुप्ता का उनके घर के सामने से निकलना हुआ। नारायण गुप्ता बाइक पर थे और महिला के घर सामने कुत्तों ने उन्हें भोंक दिया। इससे वह नाराज हो गए और महिला के घर की बाउंड्री का गेट खोलकर वह अंदर मुख्य गेट पर पहुंचे। उन्होंने गेट खटखटाया। गेट खटखटाने पर महिला ने गेट खोला तो गुप्ता भड़क गए और उनका हाथ पकड़कर बाहर खींचकर लाए। वह कहने लगे कि इन कुत्तों को तुम खाना खिलाती हो यह काटने के लिए दौड़ रहे हैं। इसी बात को लेकर महिला से उनका विवाद बढ़ गया। महिला ने घटना की सूचना तत्काल कटारा हिल्स थाने पहुंचकर की। पुलिस ने प्रोफेसर नारायण गुप्ता पर छेड़छाड़ की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

जीआरपी भोपाल ने शुरू की बदमाशों की तलाश

त्रिशताब्दी एक्स. में महिला का पर्स चोरी, एक लाख के जेवर सहित नगदी गई

फाइल फोटो

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में चोरी की वारदात थमने का नाम नहीं ले रही है। त्रिशताब्दी एक्सप्रेस में नागपुर से इंदौर की यात्रा कर रही महिला का लेडिज पर्स किसी चोर ने चुरा लिया। पर्स में दस हजार रुपए की नगदी और करीब एक लाख रुपए के जेवर थे। इसके अलावा बैंक एटीएम और आवश्यक दस्तावेज भी बदमाश मय पर्स के चुराकर ले गया। इसके अलावा इंदौर नागपुर एक्सप्रेस, नर्मदा एक्सप्रेस, शताब्दी में पर्स चोरी की घटनाएं हुई है। जीआरपी भोपाल ने सभी प्रकरण दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

जीआरपी ने बताया कि मनीषा चौहान पति मानसिंह चौहान (51) ग्राम कठोरा तहसील कसरावद जिला खरगोन में रहती हैं। वह त्रिशताब्दी एक्सप्रेस में नागपुर से इंदौर की यात्रा कर रही थी। यात्रा के दौरान खाना खाने के बाद वह सो गई। 2 बजे के आसपास उनकी नींद खुली तो सीट पर रखा उनका लेडिज पर्स चोरी हो चुका था। कोच में तलाश करने पर भी पर्स नहीं मिला। पर्स में एक सोने का मंगलसूत्र जिसमें पैंडल व 18 मोती थे। जिसकी कीमत करीब 25 हजार रुपए थी। इसके अलावा छोटा मंगलसूत्र जिसमें पैंडल 8 मोती थी, जिसकी कीमत 18 हजार रुपए और एक जोड़ कान की सोने की झुमकी करीब 35 हजार रुपए की साथ ही एक जोड़ चांदी की पायल करीब दस हजार रुपए की और नगदी 10 हजार रुपए अज्ञात चोर पर्स सहित चुराकर ले गया। बदमाश पर्स सहित करीब 1 लाख 10 रुपए का सामान चुराकर ले गया है।

इंदौर नागपुर एक्सप्रेस में महिला का पर्स चोरी

भंडारा, महाराष्ट्रः निवासी अर्शलन शेख (33) ने जीआरपी में शिकायत करते हुए बातया कि वह इंदौर नागपुर एक्स अपनी मां अंजुम अकील शेख के साथ इंदौर से नगापुर की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान मां ने लेडिज पर्स सिरहराने रख लिया। भोपाल आने के 10 मिनट पहले नींद खुली तो मां का पर्स नहीं था। पर्स में दो मोबाइल और सोने के जेवर सहित पचास हजार रुपए का सामान था, जो कोई अज्ञात चोर चुराकर ले गया।

नर्मदा एक्सप्रेस में भी लेडिज पर्स चोरी

तमन्ना तिवारी पिता मिलन तिवारी (20) नंदा कालोनी झारसुगुड़ा, उडीसा की है। उन्होंने अपनी शिकायत करते हुए बताया कि बहन राधा सिंह के साथ नर्मदा एक्सप्रेस में बिलासपुर से उज्जैन की यात्रा कर रही थी। उन्होंने अपना लेडीज पर्स सीट पर रख दिया था। भोपाल स्टेशन आने से पहले देखा तो सीट पर रखा पर्स नहीं था। पर्स में उनका और बहन का मोबाइल नगदी सहित 83 हजार रुपए का सामान था, जो कोई अज्ञात बदमाश चुराकर ले गया।

निर्धारित शुल्क लिए बिना लगा दिया था एचपीएल कंपनी का मीटर

एमडी ड्रग्स फैक्ट्री को बिना निरीक्षण दिया मीटर, आउटसोर्स कर्मियों पर प्रकरण दर्ज

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

डायरेक्टोरेट रेवेन्यु इंटेलीजेंस (डीआरआई) की एमडी ड्रग्स बनाने वाले मकान पर कार्रवाई के बाद अब ईटखेड़ी पुलिस ने विद्युत वितरण कंपनी के दो आउटसोर्स कर्मचारियों पर अमानत में खयानत और धोखाधड़ी की कार्रवाई की है। उक्त कार्रवाई मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी के ईटखेड़ी वितरण केंद्र के सहायक प्रबंधक की शिकायत पर की गई। प्रकरण में रज्जाक खान को भी आरोपी बनाया गया है। दरअसल, ड्रग्स फैक्ट्री को आउटसोर्स कर्मचारियों की मिलीभगत से रोशन किया गया था। फैक्ट्री का निरीक्षण किए बिना निर्धारित शुल्क अपनी जेब में रखकर बिजली का मीटर मुहैया करा दिया गया था।

ईटखेड़ी पुलिस ने बताया कि ईटखेड़ी वितरण केंद्र में नीरज भारती सब-स्टेशन ऑपरेटर है और मनीष मीणा लाइन हेल्पर है। दोनों ही आउटसोर्स कर्मचारी हैं। अब्दुल रज्जाक द्वार ईटखेड़ी वितरण कंपनी में नए विद्युत कनेक्शन के लिए आवेदन दिया था। कर्मचारियों द्वारा 4 अगस्त को एचपीएल कंपनी का मीटर लगाकर बिजली की सप्लाई शुरू कर दी। नवीन विद्युत कनेक्शन देने से पहले निरीक्षण नहीं किया गया। साथ ही निर्धारित शुल्क 6 हजार 21 रुपए भी कंपनी में जमा नहीं कराया गया। कंपनी के नियमानुसार कनेक्शन से पहले फैक्ट्री का निरीक्षण किया जाना था और शुल्क कंपनी में जमा करना था। शुल्क कंपनी में जमा नहीं करते हुए लाइन हेल्पर मनीष मीना के साथ मिलकर सब स्टेशन ऑपरेटर नीरज भारती ने कंपनी को

फाइल फोटो

धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज

आर्थिक नुकसान पहुंचाया है। यह रज्जाक खान निवासी जगदीशपुर की मिलीभगत से हो सका। बिना शुल्क जमा किए बिजली की सप्लाई करने पर आवेदक रज्जाक खान द्वारा बिजली की चोरी की गई है। लिहाजा उसे भी आरोपी बनाया गया है।

रहवासी क्षेत्र में खोल ली थी फैक्ट्री

विदिशा निवासी रज्जाक ने जुलाई की दूसरे सप्ताह में एग्रीमेंट कराने के बाद मकान खरीदा था। महज 590 वर्गफीट का मकान था। इसमें दो कमरे में आरोपी अब्दुल फैजल के साथ मिलकर मशीनरी और कच्चा माल इकट्ठा कर रहे थे। इस कच्चे माल से एमडी ड्रग्स बनाने का प्लान था। देहात एसपी प्रमोद सिन्हा ने बताया कि नशे से दूरी अभियान के तहत हमारे द्वारा देहात इलाके में आने वाले औद्योगिक क्षेत्र की फैक्ट्री और गोदामों की जांच की थी। अभी हाल ही में मकान लेकर आरोपियों ने नशे का कारोबार शुरू कर दिया था।

डीआरआई कर रही जांच

उल्लेखनीय है कि डीआरआई ने जगदीशपुर स्थित एक फैक्ट्री से 92 करोड़ की मेफेड्रोन पकड़ी गई है। शनिवार देर रात टीम ने जगदीशपुरा (इस्लामनगर) में छापा मारा था। यहां से 61.20 किलो लिक्विड मेफेड्रोन और 541 किलो से ज्यादा कच्चा माल जब्त किया गया। मौके से ड्रग्स के साथ रज्जाक खान को डीआरआई की टीम ने पकड़ा था। कार्रवाई में जो 541 किलो कच्चा माल मिला है, उसमें मेथिलीन डाइक्लोराइड, एसीटोन, हाइड्रोक्लोरिक एसिड, मोनोमेथिलमाइन और 2-ब्रोमो शामिल थे। ये वही रसायन हैं, जिनसे एमडी ड्रग्स बनता है। रिमांड के दौरान आरोपियों से उनके अन्य शहरों में नेटवर्क का भी पता लगाया जा रहा है।

अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है

काम से लौट रहे स्कूटर सवार को ट्रक ने मारी टक्कर, हालत गंभीर

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मिसरोद स्थित होशंगाबाद रोड पर बीती रात एक अज्ञात ट्रक ने स्कूटर सवार युवक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी वाहन की पहचान के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार आदित्य सिंह अवधपुरी में रहते हैं और मैपल मॉल स्थित एक निजी कंपनी में काम करते हैं। बीती रात करीब एक बजे वह अपने दोस्त अंशुमान के साथ कार्यालय से घर जाने के लिए निकले थे। आदित्य अपनी कार से थे, जबकि अंशुमान अपनी स्कूटर पर आगे चल रहे थे। कार्यालय से निकलने के बाद अंशुमान लापिनो पिज्जा के सामने पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने अंशुमान की स्कूटर को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही अंशुमान स्कूटर समेत सड़क

पर गिरकर डिवाइडर में जाकर फंस गए, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। पीछे चल रहे आदित्य ने आसपास के लोगों की मदद से घायल अंशुमान को इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां गंभीर हालत में उसका इलाज चल रहा है। स्कूटर को टक्कर मारने के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से भाग निकला, जिससे उसका नंबर नहीं देखा जा सका। पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

नवीं कक्षा के विद्यार्थी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

कोलार थाना क्षेत्र स्थित ढोली खदान रोड पर रहने वाले 16 साल के किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसकी लाश बेड पर पड़ी मिली। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि उसे दो तीन दिन से बुखार आ रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

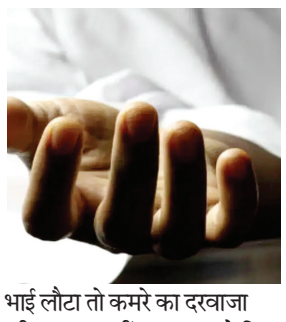

पुलिस के अनुसार नमन वंशकार पिता मुकेश वंशकार (16) ढोली खदान रोड कोलार में रहता था। वह नवीं कक्षा का छात्र था। बुधवार सुबह उसके माता पिता मजदूरी करने गए थे। छोटा भाई भी स्कूल चला गया। घर में नमन अकेला?था। दोपहर करीब 12 बजे स्कूल से छोटा भाई लौटा तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद?था। आवाज देने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला। उसने पिता को कॉल कर बताया। पिता घर पहुंचे और किसी तरह दरवाजा खोला गया। इस दौरान नमन बेड पर बेसुध अवस्था में पड़ा नजर आया। पिता नमन को आटो से लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर नमन को मृत घोषित कर दिया।

मेट्रो एंकर | **पुलिस ने दर्ज किया एक्सीडेंट का काउंटर केस**

आमने-सामने की भिड़ंत में बाइक सवार दो युवक घायल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

कटारा हिल्स इलाके में बुधवार की सुबह मोटर सायकिलों के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में दोनों बाइक पर सवार युवकों को गंभीर चोट आई है। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने एक्सीडेंट का काउंटर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सिग्नेचर कालोनी कटारा हिल्स में रहने वाला ओम श्रीवास्तव (20) बुधवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे अपने दोस्त की बाइक लेकर अयोध्या नगर स्थित कार्यालय जाने के लिए निकला था। शिव मार्केट के पास पहुंचने पर सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से उसकी भिड़ंत हो गई। दूसरी बाइक पर बंगरसिया मिसरोद में रहने वाला अशोक विश्वकर्मा सवार था। बाइकों को बीच हुई आमने-सामने की भिड़ंत में ओम श्रीवास्तव और अशोक

फाइल फोटो

विश्वकर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही दोनों के परिजन मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। बाद में परिजनों ने थाने पहुंचकर एक्सीडेंट का काउंटर केस दर्ज करवा दिया। ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दंपति घायल कटारा हिल्स इलाके में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दंपति और उनकी बेटी घायल हो गई। जानकारी के अनुसार देवीसिंह लोधी (24) मंडीदीप जिला रायसेन में रहते हैं और प्रायवेट काम करते हैं। मंगलवार की शाम करीब साढ़े सात बजे वह अपनी पत्नी दीपिका लोधी और बच्ची के साथ मोटर सायकिल से बायपास रोड होते हुए मंडीदीप जा रहे थे। सेज कालेज के पास पहुंचते ही सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल पत्नी और बच्ची को इलाज के लिए मंडीदीप स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे में बाइक भी बुरी तरह से टूट गई है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, चालक पर केस दर्ज

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

शाहजहांनाबाद इलाके में एक्सीडेंट में हुई एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत के मामले में पुलिस ने मर्ग जांच के बाद टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना के समय बाइक चालक टक्कर मारकर भाग निकला था। एक राहगीर ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया था, जहां उसकी मौत हो गई थी। जानकारी के अनुसार शाहजहांनाबाद थानांतर्गत स्टेट बैंक चौराहा स्थित पेट्रोल पंप के पास बीती सात अगस्त की रात को एक तेज रफ्तार बाइक के चालक ने पैदल जा रहे अज्ञात व्यक्ति को टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को राहगीर ने इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया था, जहां देर रात उसकी मौत हो गई थी।

अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए मचुर्री में रखवा दिया था। बाद में मृतक की पहचान लक्ष्मण वानखेड़े (59) निवासी गोलघर के पास थाना शाहजहांनाबाद के रूप में हुई थी। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है। आरोपी वाहन चालक की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेडी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022